TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 261
गुरुवार, 09 अप्रैल 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिये गये बड़े फैसले, राजस्थान को रिफाइनरी और मेट्रो की सौगात

नई दिल्ली, 08 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए, जिनका सीधा असर देश की ऊर्जा सुरक्षा, आधारभूत ढांचे, शहरी परिवहन और कृषि क्षेत्र पर पडेगा। इन फैसलों में राजस्थान में विशाल रिफाइनरी परियोजना, अरुणाचल प्रदेश में जल विद्युत परियोजनाएं, जयपुर मेट्रो विस्तार और किसानों के लिए उर्वरक सब्सिडी से जुड़े निर्णय शामिल हैं।

केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि सबसे प्रमुख निर्णयों में राजस्थान के बालोतरा जिले के पचपदरा में एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड़ परियोजना की लागत में संशोधन को मंजूरी दी गई। इस परियोजना की लागत अब बढ़ाकर लगभग उन्यासी हजार चार सौ उनसठ करोड़ रुपये कर दी गई है। साथ ही हिंदुस्तान पेट्रोलियम निगम लिमिटेड द्वारा अतिरिक्त इक्विटी निवेश को भी स्वीकृति दी गई है, जिससे कुल निवेश उन्नीस हजार छह सौ करोड़ रुपये हो जाएगा। यह रिफाइनरी अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी और इसमें पेट्रोल, डीजल के साथ साथ पॉलीप्रोपिलीन, एलएलडीपीई, एचडीपीई तथा बेंजीन जैसे पेट्रो रसायन उत्पाद तैयार किए जाएंगे। यह परियोजना देश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और आयात पर निर्भरता कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस रिफाइनरी परियोजना से न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि राजस्थान के पिछड़े क्षेत्र में औद्योगिकीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। निर्माण के दौरान लगभग पच्चीस हजार लोगों को रोजगार मिल चुका है और भविष्य में भी रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है। परियोजना की वाणिज्यिक शुरूआत एक जुलाई 2026 तक निर्धारित की गई है।

इसके अलावा, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अरुणाचल प्रदेश में जल विद्युत उत्पादन को मजबूत करने के लिए भी दो बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। पहली परियोजना कालई द्वितीय जल विद्युत परियोजना है, जिसकी क्षमता बारह सौ मेगावाट होगी और इस पर लगभग चौदह हजार एक सौ पांच करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। यह परियोजना लोहित नदी पर बनेगी और इससे हर साल चार हजार आठ सौ बावन मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। इस परियोजना से राज्य में बिजली आपूर्ति मजबूत होगी और राष्ट्रीय ग्रिड संतुलन में भी मदद मिलेगी।

दूसरी प्रमुख परियोजना कमला जल विद्युत परियोजना है, जिसकी क्षमता सत्रह सौ बीस मेगावाट होगी और इस पर लगभग छब्बीस हजार उनहत्तर करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस परियोजना से हर साल छह हजार आठ सौ सत्तर मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का अनुमान है। इसके साथ ही ब्रह्मपुत्र घाटी में बाढ़ नियंत्रण में भी सहायता मिलेगी। इन परियोजनाओं के तहत सड़कों, पुलों, अस्पतालों और स्कूलों का निर्माण होगा, जिससे स्थानीय विकास को गति मिलेगी।

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग का टीएमसी को सख्त अल्टीमेटम, कहा- इस बार हिंसा बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 08 अप्रैल। आगामी चुनावों से पहले चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस को कड़ी चेतावनी जारी की है। चुनाव निकाय ने घोषणा की है कि इस बार पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव भय, हिंसा, धमकी और प्रलोभन से मुक्त होने चाहिए। चुनाव आयोग ने बूथ कैप्चरिंग, बूथ जैमिंग और सोर्स जैमिंग जैसी अवैध गतिविधियों के खिलाफ चेतावनी भी दी है, जिसका अर्थ है मतदाताओं की लामबंदी या पहुंच में बाधा डालना। चुनाव प्राधिकरण ने एक्स पर लिखा, तृणमूल कांग्रेस को चुनाव आयोग का सीधा संदेशः इस बार पश्चिम बंगाल में चुनाव निश्चित रूप से भयमुक्त, हिंसामुक्त, धमकीमुक्त, प्रलोभनमुक्त और बिना किसी छापेमारी, बूथ जैमिंग या सोर्स जैमिंग के होंगे।

पश्चिम बंगाल में चुनाव संबंधी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है।

पिछले 20 वर्षों में, चुनाव प्रचार और मतदान के दौरान सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों घायल हुए हैं। न्याय आयोग की एक तथ्य-जांच समिति की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनाव विशेष रूप से हिंसक थे, जिनमें हिंसा की 1,300 से अधिक घटनाएं, 25 मौतें और छेड़छाड़ के 7,000 मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट में पाया गया कि टीएमसी के शासनकाल में हिंसा का पैमाना अक्सर वाम मोर्चा के शासनकाल के पिछले रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ देता है।

बुधवार को इससे पहले, टीएमसी प्रतिनिधिमंडल और चुनाव आयोग के बीच हुई बैठक तीखी बहस में समाप्त हुई। टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सात मिनट बाद ही उन्हें ₹चले जाने₹ के लिए कहा, जबकि चुनाव आयोग ने ओ'ब्रायन पर चिल्लाने और मुख्य चुनाव आयुक्त को बोलने से रोकने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

चीन की कोशिश नाकाम: सप्ताह तक चली पाक-अफगान अहम वार्ता बिना समझौते खत्म

नई दिल्ली, 08 अप्रैल। चीन की मध्यस्थता में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक सप्ताह तक चली अहम वार्ता बिना किसी ठोस समझौते के समाप्त हो गई है। हालांकि, दोनों देशों ने भविष्य में बातचीत जारी रखने और मतभेदों को सुलझाने के लिए प्रयास जारी रखने पर सहमति जताई है। यह वार्ता 1 से 7 अप्रैल के बीच चीन के Urumqi शहर में आयोजित की गई थी, जिसमें तीनों देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता Mao Ning ने बताया कि बैठक का माहौल सकारात्मक रहा और बातचीत खुलकर तथा व्यावहारिक तरीके से हुई। उन्होंने कहा कि संपर्क में बने रहना ही इस बैठक की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव की मुख्य वजह सीमा पार आतंकवाद है। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार प्रतिबंधित संगठनों को शरण दे रही है, जिनमें Tehrik-i-TalibanPakistan(TTP), Baloch Liberation Army (BLA) संगठन पाकिस्तान में लगातार हमले कर रहे हैं और अस्थिरता फैला रहे हैं। यह बैठक फरवरी के अंत में पाकिस्तान द्वारा शुरू किए गए सैन्य अभियान के बाद पहली बड़ी बातचीत थी। इस अभियान का उद्देश्य अफगानिस्तान में मौजूद कथित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाना था। हालांकि इस बार कोई बड़ा समझौता नहीं हुआ, लेकिन दोनों देश बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं और भविष्य में और उच्च स्तर की बैठकें हो सकती हैं। चीन इस प्रक्रिया को आगे भी समर्थन देगा।

अमेरिका - ईरान युद्धविराम का भारत ने किया स्वागत, पश्चिम एशिया में स्थायी शांति और कूटनीति पर दिया जोर

नई दिल्ली, 08 अप्रैल। भारत ने अमेरिका और ईरान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष-विराम का स्वागत किया है, और उम्मीद जताई है कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होगा। 8 अप्रैल, 2026 को जारी एक आधिकारिक बयान में विदेश मंत्रालय (टएअ) ने कहा कि हम हुए संघर्ष-विराम का स्वागत करते हैं और उम्मीद करते हैं कि इससे पश्चिम एशिया में स्थायी शांति आएगी। जैसा कि हमने पहले भी लगातार जोर दिया है, जारी संघर्ष को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए तनाव कम करना, बातचीत और कूटनीति आवश्यक हैं। इस बयान में वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर संघर्ष के प्रभाव को रेखांकित किया गया। भारत ने जोर दिया कि वस्तुओं और ऊर्जा संसाधनों की अबाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य खुला रहना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस संघर्ष ने लोगों को पहले ही बहुत ज्यादा तकलीफ दी है और दुनिया भर में ऊर्जा की सप्लाई और व्यापार के नेटवर्क को बाधित किया है। हमें उम्मीद है कि होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर जहाजों की आवाजाही की पूरी आजादी और व्यापार का वैश्विक प्रवाह बना रहेगा।

भारत की प्रतिक्रिया क्षेत्रीय संघर्षों को सुलझाने के लिए बातचीत और तनाव कम करने की उसकी पुरानी नीति को दशार्ती है। विदेश मंत्रालय ने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम एशिया में जल्द और टिकाऊ शांति

हासिल करने के लिए कूटनीति अब भी बहुत जरूरी है। बयान में दोहराया गया कि तनाव कम करना, बातचीत और कूटनीति जरूरी हैं,₹ जो इस क्षेत्र में स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दिखाता है। यह घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस ऐलान के कुछ ही घंटों बाद आई, जिसमें उन्होंने ईरान के खिलाफ नियोजित सैन्य कार्रवाई पर अस्थायी रोक लगाने की बात कही थी; उन्होंने कहा था कि ये हमले दो हफ़्ते के लिए टाल दिए जाएँगे। यह फैसला, जिसे पहले से तय समय सीमा से ठीक पहले उनके 'ट्रुथ सोशल' प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया था, उसने बढ़ते तनाव को लेकर तत्काल पैदा हुई चिंताओं को कुछ हद तक कम कर दिया। ट्रंप ने इस कदम को दो-तरफा संघर्ष-विराम बताया, जिसका मतलब है कि इस दौरान अमेरिका और ईरान, दोनों से ही यह उम्मीद की जाती है कि वे कोई भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई करने से बचेंगे।

राष्ट्रपति के अनुसार, यह फैसला ईरान द्वारा 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को फिर से खोलने की सहमति देने के बाद लिया गया; यह मार्ग वैश्विक तेल परिवहन के लिए एक प्रमुख रास्ता है और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ट्रंप ने यह भी कहा कि अमेरिका ने ईरान में अपने प्राथमिक सैन्य उद्देश्यों को पहले ही पूरा कर लिया है, और उसे तेहरान से एक 10-सूत्रीय प्रस्ताव मिला है, जिसमें तनाव के मुख्य कारणों को संबोधित किया गया है।

सीजफायर के बीच दुनिया को बड़ी राहत: ईरान दो दिन में खोल देगा होर्मुज के रास्ते, रखी नई शर्तें

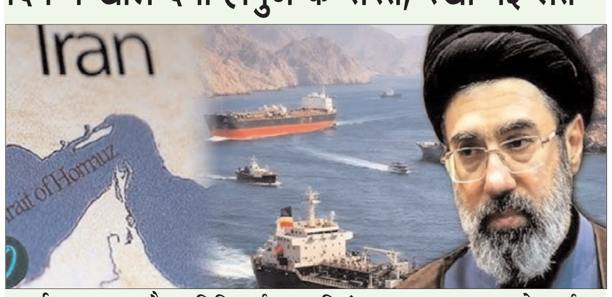

ईरान, 08 अप्रैल। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच एक अहम कूटनीतिक संकेत सामने आया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान Strait of Hormuz को सीमित और नियंत्रित तरीके से खोलने पर विचार कर रहा है। एक वरिष्ठ ईरानी अधिकारी ने बताया कि यह कदम गुरुवार या शुक्रवार तक उठाया जा सकता है। यह निर्णय अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में होने वाली अहम बैठक से पहले लिया जा सकता है, ताकि बातचीत के लिए माहौल तैयार हो सके।

अधिकारी के मुताबिक, अगर दोनों देशों के बीच बातचीत के लिए एक ढांचा तय हो जाता है, तो होर्मुज जलडमरूमध्य को सीमित और ईरान के नियंत्रण में खोला जाएगा। इसका मतलब यह है कि जहाजों की आवाजाही पूरी तरह सामान्य नहीं होगी, बल्कि उन्हें ईरान की सेना के साथ समन्वय करके ही गुजरना होगा। यानी हर जहाज को सुरक्षा और अनुमति के लिए ईरानी सैन्य नियंत्रण का पालन करना होगा। ईरान ने यह भी साफ किया है कि मौजूदा युद्धविराम अभी भी बेहद नाजुक है। तेहरान ने कहा कि वह स्थायी शांति चाहता है, लेकिन अगर अमेरिका फिर से आक्रामक रुख अपनाता है, तो ईरान भी युद्ध में लौटने से नहीं हिचकेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और ईरान के बीच दो हफ्तों का अस्थायी युद्धविराम लागू है और दोनों देश कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज जलडमरूमध्य का आंशिक रूप से खुलना वैश्विक तेल बाजार के लिए राहत जरूर ला सकता है, लेकिन ह्लईरान के नियंत्रणह्व की शर्त के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नई अनिश्चितताएं भी पैदा हो सकती हैं। ईरान का यह कदम एक ओर शांति की दिशा में पहल है, तो दूसरी ओर रणनीतिक दबाव भी दिखाता है। अब दुनिया की नजर पाकिस्तान में होने वाली बातचीत पर है।

विराट होता सूर्यवंशी का वैभव, जसप्रीत बुमराह को लगाए गए छक्कों से साबित की क्लास

नई दिल्ली। गुवाहाटी में मंगलवार रात राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मुकाबले में एक तरफ दुनिया का सबसे बड़ा गेंदबाज था तो दूसरी तरफ 15 वर्षीय बल्लेबाज। इस मैच को जसप्रीत बुमराह बनाम वैभव सूर्यवंशी के रूप में प्रस्तुत किया गया।

सभी के मन में यह सवाल था कि कैसे एक बच्चा दुनिया के सबसे घातक गेंदबाज का सामना करेगा, लेकिन वैभव ने बुमराह की गेंदों पर दो अविश्वसनीय छक्के लगाकर बता दिया कि ये बल्लेबाज बेहद खास है।

बुमराह को छक्के लगाना हर बल्लेबाज का सपना होता है और

पाकिस्तानी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने तो एशिया कप में बुमराह को तीन छक्के जड़ने के बाद 'डाक्यूमेंट्री' तक बना डाली थी। विराट कोहली जैसा दिग्गज बल्लेबाज अपने आईपीएल करियर में बुमराह के विरुद्ध केवल तीन छक्के लगा पाया है, जबकि वैभव सूर्यवंशी पहली बार बुमराह का सामना करते हुए दो छक्के जड़ चुके हैं।

यह बताता है कि अब सूर्यवंशी सिर्फ भविष्य की उम्मीद नहीं, बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुके हैं। एक ऐसा नाम, जिससे हर गेंदबाज को सतर्क रहना होगा। 30 अप्रैल 2025 की शाम जयपुर में ट्रेंट बोल्ट से पूछा गया था क्या अब उन्हें और बुमराह जैसे गेंदबाजों को एक 14 साल के बल्लेबाज को आउट करने की रणनीति बनानी पड़ रही है तो बोल्ट ने हंसते हुए कहा था कि वह इतने बड़े मंच पर किसी युवा खिलाड़ी को लेकर 'चिंतित' नहीं होंगे। उस समय यह बात मजाक जैसी लगी थी, लेकिन एक साल से भी कम समय में हालात पूरी तरह बदल गए।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनवाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

कमजोर वर्गों के लिए योजनाएँ: विवाद का विषय या विकास का आधार?

कमजोर वर्गों के लिए बनाई गई विकास और कल्याणकारी योजनाओं को अक्सर भेदभावपूर्ण कहकर आलोचना की जाती है। पहली नजर में यह तर्क आकर्षक लग सकता है कि जब सरकार कुछ खास वर्गों को लक्षित करके लाभ देती है, तो यह बाकी लोगों के साथ अन्याय है। लेकिन जब इस बात को गहराई से समझा जाता है, तो स्पष्ट होता है कि यह सोच सामाजिक न्याय की मूल भावना को चुनौती देती है। भारत जैसे देश में, जहाँ लंबे समय से जाति, आर्थिक और सामाजिक असमानताएँ जड़ें जमाए हुए हैं, ऐसी योजनाएँ केवल विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता हैं, और साथ ही यह संविधान द्वारा निर्धारित जिम्मेदारी भी हैं। भारतीय समाज की ऐतिहासिक संरचना ने कुछ वर्गों को विशेषाधिकार दिए, जबकि कुछ वर्गों को निरंतर वंचना और भेदभाव का सामना करना पड़ा। सदियों से चली आ रही इस असमानता ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य कमजोर वर्गों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सम्मान से दूर रखा। ऐसे में यदि राज्य केवल समान व्यवहार की नीति अपनाता, तो यह असमानता और गहरी हो जाती। इसलिए संविधान निमार्ताओं ने यह समझा कि समानता का वास्तविक अर्थ सबको समान स्थिति में लाना है, न कि केवल समान नियम लागू करना। इसी संदर्भ में संविधान का अनुच्छेद 46 विशेष महत्व रखता है, जो राज्य को यह निर्देश देता है कि वह कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा दे तथा उन्हें सामाजिक अन्याय और शोषण से बचाए। यह प्रावधान यह स्पष्ट करता है कि लक्षित योजनाएँ किसी प्रकार का पक्षपात नहीं, बल्कि न्याय की दिशा में उठाया गया आवश्यक कदम हैं। यही सकारात्मक भेदभाव 'affirmative action' की अवधारणा है, जो ऐतिहासिक असमानताओं की भरपाई करने का प्रयास करती है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक स्तर पर भी स्पष्ट दिखाई देता है। पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में हुई प्रगति इसका प्रमाण है। जहाँ पहले कमजोर वर्गों की साक्षरता दर बहुत कम थी, वहीं आज इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। छात्रवृत्ति योजनाओं, आवासीय विद्यालयों और विशेष शैक्षिक कार्यक्रमों ने लाखों बच्चों को स्कूल और उच्च शिक्षा तक पहुँचने का अवसर प्रदान किया है। इसी प्रकार, ग्रामीण रोजगार योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और कौशल विकास कार्यक्रमों ने आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी इन योजनाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को न केवल आय के साधन मिले हैं, बल्कि उन्होंने सामाजिक स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई है। इससे परिवार और समाज दोनों में सकारात्मक परिवर्तन आया है। यह दर्शाता है कि लक्षित योजनाएँ केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि वे सामाजिक बदलाव का माध्यम भी बनती हैं। हालाँकि, इन योजनाओं को लेकर विवाद भी कम नहीं हैं। आलोचकों का कहना है कि जब किसी विशेष वर्ग को प्राथमिकता दी जाती है, तो यह अन्य वर्गों के साथ अन्याय है। उदाहरण के लिए, कई बार आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग का व्यक्ति केवल इसलिए किसी योजना का लाभ नहीं ले पाता क्योंकि वह निर्धारित श्रेणी में नहीं आता। इससे रिवर्स डिस्क्रिमिनेशन की भावना उत्पन्न होती है, जो सामाजिक असंतोष को जन्म दे सकती है। यह तर्क पूरी तरह निराधार नहीं है, लेकिन यह अधूरा अवश्य है। यह इस तथ्य को नजरअंदाज करता है कि सभी व्यक्ति समान परिस्थितियों में जन्म नहीं लेते। कुछ लोग ऐसे सामाजिक और आर्थिक परिवेश में पले-बढ़े होते हैं जहाँ उन्हें बेहतर शिक्षा, संसाधन और अवसर मिलते हैं, जबकि कुछ लोग अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में जीवन की शुरूआत करते हैं। ऐसे में, यदि दोनों को समान अवसर दिए जाएँ, तो परिणाम समान नहीं होंगे। इसलिए, समानता को वास्तविक रूप देने के लिए असमान लोगों के साथ अलग व्यवहार करना आवश्यक हो जाता है।

फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में कई कमियाँ हैं। भ्रष्टाचार, लाभ का असमान वितरण और पारदर्शिता की कमी जैसी समस्याएँ इनकी प्रभावशीलता को प्रभावित करती हैं। कई बार देखा गया है कि जिन लोगों को इन योजनाओं की सबसे अधिक आवश्यकता होती है, वे इससे वंचित रह जाते हैं, जबकि अपेक्षाकृत सक्षम लोग इसका लाभ उठा लेते हैं। क्रीमी लेयर की अवधारणा इसी समस्या को दूर करने के लिए लाई गई थी, लेकिन इसे सभी वर्गों में प्रभावी रूप से लागू नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त, बदलते समय के साथ समाज की समस्याएँ भी बदल रही हैं। आज शहरी क्षेत्रों में गरीबी का स्वरूप अलग है, जहाँ विभिन्न जातियों के लोग समान आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में केवल जाति के आधार पर योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है। नीतियों को अधिक समावेशी और बहुआयामी बनाना होगा, जिसमें आर्थिक स्थिति, शिक्षा और क्षेत्रीय असमानताओं को भी ध्यान में रखा जाए। सुधार के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है—पारदर्शिता और सटीकता। लाभार्थियों की पहचान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। आधार-आधारित सत्यापन, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डेटा एनालिटिक्स के माध्यम से योजनाओं को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जा सकता है। इसके साथ ही, योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित निगरानी और स्वतंत्र ऑडिट भी आवश्यक है, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को समय रहते रोका जा सके। निजी क्षेत्र और नागरिक समाज की भागीदारी भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों को योजनाओं के क्रियान्वयन में शामिल करने से उनकी प्रभावशीलता और भी बढ़ सकती है, क्योंकि स्थानीय स्तर पर समस्याओं की समझ अधिक गहरी होती है। अंततः, यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि कमजोर वर्गों के लिए बनाई गई योजनाएँ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं, बल्कि न्याय की स्थापना का माध्यम हैं। ये योजनाएँ उस ऐतिहासिक असमानता को दूर करने का प्रयास हैं, जिसने समाज के एक बड़े वर्ग को लंबे समय तक अवसरों से वंचित रखा। यदि इन्हें समाप्त कर दिया जाए, तो यह केवल असमानता को और गहरा करेगा तथा सामाजिक असंतुलन को बढ़ावा देगा।

अंबेडकर का सपना केवल राजनीतिक समानता तक सीमित नहीं था, बल्कि सामाजिक और आर्थिक समानता भी उसका अभिन्न अंग था। एक व्यक्ति, एक वोट के साथ एक व्यक्ति, एक अवसर की अवधारणा को साकार करने के लिए इन योजनाओं का अस्तित्व अनिवार्य है। आवश्यकता इस बात की है कि हम इनके अस्तित्व पर प्रश्न उठाने के बजाय इनके क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और समावेशी बनाएँ। जब भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है, तब यह याद रखना होगा कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग का सशक्तिकरण है। यदि समाज का सबसे कमजोर व्यक्ति भी आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने में सक्षम हो जाता है, तभी सच्चे अर्थों में विकास संभव है। इसलिए, कमजोर वर्गों के लिए योजनाएँ न तो विवाद का विषय हैं और न ही बोझ, बल्कि वे एक न्यायपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील भारत की आधारशिला हैं। – डॉ. सत्यवान सौरभ

चलो दिलदार चलो चाँद के पार चलो

अशोक भाटिया

ओरियन अंतरिक्ष यान को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) नामक एक विशाल रॉकेट और कमांडर रीड वाइसमैन के नेतृत्व में एक टीम में पायलट विक्टर ग्लोवर, मिशन विशेषज्ञ क्रिस्टीना कोच और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरेमी हैनसन शामिल थे। क्रिस्टीना कोच के पास पहले से ही सबसे लंबी एकल अंतरिक्ष यात्रा का रिकॉर्ड है, जो चंद्रमा की कक्षा में पहुंचने वाली पहली महिला हैं निश्चित। ये चारों विशेषज्ञ चंद्रमा के 'दूर के भाग' का निरीक्षण करेंगे, यानी पृथ्वी का वह हिस्सा जो पृथ्वी से कभी दिखाई नहीं देता है। यह मिशन न केवल चंद्रमा की कक्षा के लिए बल्कि भविष्य के मंगल मिशनों और चंद्रमा पर एक स्थायी मानव बस्ती की स्थापना के लिए भी एक महत्वपूर्ण आधार होगा। इस मिशन का मुख्य उद्देश्य मानव अंतरिक्ष यात्रा की सीमाओं का परीक्षण करना और वास्तविक वातावरण में नई तकनीकों का परीक्षण करना है। आर्टेमिस-2 एक 'क्रूड फ्लाईबाय' मिशन है।

इसका मतलब है कि अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की सतह पर नहीं उतरेंगे, बल्कि चंद्रमा के पीछे की ओर एक चौड़े मोड़ के साथ पृथ्वी पर लौटेंगे। 10 दिन की यात्रा के दौरान, ओरियन अंतरिक्ष यान पृथ्वी से लगभग 393,000 किलोमीटर की दूरी तक पहुंचेगा, जो अपोलो 13 मिशन द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ देगा, जो पृथ्वी से 2.3 मिलियन मील की यात्रा करेगा। इस मिशन के पीछे मुख्य कारण यह है कि 2008 में नासा ने एक चंद्रयान मिशन लॉन्च किया था जिसमें चांद पर पानी के सबूत मिले थे। इसकी पुष्टि के लिए इस अभियान की योजना बनाई गई है।

इस बार मिशन का उद्देश्य चंद्रमा पर जाना और झंडा लगाना नहीं है, यह संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच वैज्ञानिक वर्चस्व की लड़ाई थी, और यह इस बात पर लड़ी गई थी कि इस पर कौन हावी है, लेकिन अब समय चला गया है, रूस ढह गया है और अमेरिका अब दुनिया का सबसे मजबूत राष्ट्र नहीं है। आर्टेमिस विज्ञान और भू-राजनीतिक संघर्ष में एक अलग युग का प्रतिनिधित्व करता है, और चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका अंतरिक्ष की दौड़ में एकमात्र अग्रणी स्थान के रूप में चंद्रमा के लिए लड़ रहे हैं। आर्टेमिस एक विश्वव्यापी अंतरिक्ष अन्वेषण है। इस अभियान का उद्देश्य बहुत व्यापक है। चंद्रमा पर बर्फ पाई गई थी, और वैज्ञानिकों का अनुमान है कि चंद्रमा पर गड्ढे हैं और क्या इस बर्फ का उपयोग अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के लिए किया जा सकता है? इसके अलावा, क्या रॉकेट लॉन्चर के लिए चंद्रमा पर जीवन रक्षक प्रणालियों के साथ ऑक्सीजन और हाइड्रोजन का उपयोग किया जा सकता है? लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि इस मिशन ने एक बार फिर इस अंतरिक्ष प्रभुत्व में अमेरिका के आधिपत्य को साबित कर दिया है। इसने साबित कर दिया कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब रूस के साथ नहीं, बल्कि चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है, क्योंकि आर्टेमिस मिशन ने चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व के लिए एक भयंकर लड़ाई और सबसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक वर्चस्व के लिए एक नया आयाम दिया है। संभावित जल प्रतिस्पर्धा और संसाधनों के लिए राष्ट्र इसमें उतरे हैं। अमेरिका ने इस दिशा में शुरूआत कर दी है, जबकि चीन 2028-29 में चांद पर उतरेगा। आर्टेमिस का महत्व यह है कि यह साबित करेगा कि किसके पास बेहतर मानव उड़ान क्षमता है, इसलिए संयुक्त राज्य अमेरिका का लक्ष्य अंतरिक्ष में अपना पहला स्थान बनाना और उस पर बने रहना है।

अमेरिका के मिशन में यूरोप, कनाडा और जापान के अंतरिक्ष वैज्ञानिक शामिल हैं, जबकि चीन स्वतंत्र है। बेशक चीन का साथी रूस है, आर्टेमिस की सफल वापसी अमेरिका के प्रभुत्व को साबित करती है। यह अंतरिक्ष प्रतियोगिता केवल द्विपक्षीय नहीं है, बल्कि भारत जैसे देशों ने भी अंतरिक्ष वर्चस्व में अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है।

आर्टेमिस संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अंतरिक्ष अन्वेषण में अपनी प्रमुखता फिर से हासिल कर सकता है और चीन की उन्नत क्षमताओं में अमेरिका की ताकत का प्रदर्शन कर सकता है। आर्टेमिस दस दिवसीय मिशन है जो एक बार फिर चंद्र अंतरिक्ष में अमेरिका के प्रभुत्व को साबित करेगा। यह चीन को अपने मिशन को तेज करने के लिए भी प्रेरित करेगा। अब चंद्रमा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच एक नई प्रतिस्पर्धा है, और अंतरिक्ष दौड़ का भाग्य इस बात से तय होगा कि उस पर कौन हावी है। 1961 में, यूरी गगारिन पहले अंतरिक्ष यात्री बने, उसके बाद अमेरिकी चंद्र मिशन और फिर आर्टेमिस मिशन।

बहरहाल नासा का प्रदर्शन मानव जाति के लिए एक खुशी की बात है जो एक ओर एक तर्कहीन प्रतीत होने वाले समाज की वास्तविकता में फंस गया है जो एक ओर अपनी बुद्धि को किसी क्षुद्र बाबापु के चरणों में गिरवी रखती है, और दूसरी ओर, धर्म/जाति की कृत्रिम सीमाओं में विभाजित एक हास्यास्पद रूप से नासमझ समाज। आर्टेमिस का रिकॉर्ड पृथ्वी से इतनी लंबी दूरी की यात्रा कभी कोई नहीं कर पाया है। उस सीमा को भी आर्टेमिस ने पार कर लिया था। मानव क्षमता की सीमाओं को पार करना कुछ ऐसा है जो केवल एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही कर सकता है। इस देश की महानता इस तथ्य में निहित है कि संयुक्त राज्य अमेरिका डोनाल्ड ट्रम्प जैसे विचित्र राष्ट्रपति के साथ भी इस दृष्टिकोण और इसके महत्व को बनाए रख सकता है। उस वैज्ञानिक भावना को सलाम करना और 'आर्टेमिस-2' मिशन का जश्न मनाना वांछनीय है।

आर्टेमिस, ग्रीक पौराणिक कथाओं में प्रकाश के देवता अपोलो की बहन है। ग्रीक पौराणिक कथाओं में, माउंट ओलंपस पर रहने वाले 12 मुख्य ओलंपियन पूजनीय हैं। आर्टेमिस उनमें से एक है। महिलाओं की स्वतंत्रता पर जोर देने के बावजूद, आर्टेमिस को चंद्रमा के करीब माना जाता है। आइंस्टीन से लेकर पंडित नेहरू तक, बुद्धिजीवियों, शोधकर्ताओं और लेखकों के बीच कविता का प्रेम हमेशा से ही आकर्षक रहा है।

स्पिनोजा को काव्यात्मक श्रद्धांजलि देने वाले आइंस्टीन और हिंदी कवि निराला से लेकर रॉबर्ट फ्रॉस्ट तक की कई कविताओं को याद करने वाले पंडित नेहरू ने वैज्ञानिकों की काव्यात्मक प्रतिभा और पहले चंद्र मिशन को आगे बढ़ाने वाले अंतरिक्ष यान के नाम 'आर्टेमिस' का प्रतीक था।'पृथ्वी का लव सॉन्ग' गाते हुए वह माहेरा के रास्ते पर जाएंगे। पृथ्वी की कक्षा में प्रवेश करने और प्रशांत महासागर में सुरक्षित रूप से उतरने के बाद, चार आर्टेमिस अंतरिक्ष यात्रियों - रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन के चेहरों को वह हासिल करने की संतुष्टि होगी जो किसी भी नश्वर इंसान ने कभी हासिल नहीं किया है।

मिशन के सबसे कठिन और जीवन-धमकाने वाले चरणों में से एक नासा के पृथ्वी नियंत्रण केंद्रों और किसी भी अन्य संचार प्रणालियों का पूर्ण वियोग था। लगभग एक चौथाई घंटे में, किसी के पास कोई जवाब नहीं था कि उनके और उनके चार अंतरिक्ष यात्रियों के साथ क्या हुआ था, क्या होने वाला था, और कुछ अप्रिय होने की स्थिति में उन्हें कैसे और कहां खोजा जाए। यह विज्ञान से आता है। उन्नीसवीं सदी के लुई पाश्चर, जिन्होंने एक पागल कुत्ते के मुंह में एक ट्यूब चुभाकर उसकी लार चूसने थे, और एडवर्ड जेनर, जिन्होंने सौ साल तक अपने परखाड़े की देवी से एक परिचित बच्चे के शरीर में मवाद का इंजेक्शन लगाया और लाइलाज बीमारी के साथ प्रयोग किया, और ऐसे कई वैज्ञानिकों के अंधे प्रयोगों के पीछे अंध विज्ञान-विश्वास था। जो इस विज्ञान को सहेजते हैं, वे देश/समाज को आगे बढ़ाते हैं।

हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, जिनका इस प्रगति से कोई समानता नहीं है, ने अपने नासा मिशन के चार अंतरिक्ष यात्रियों से बात की। इसका कई चैनलों द्वारा सीधा प्रसारण किया गया। जिन लोगों ने इसे देखा होगा, उन्होंने इसमें दिलचस्प विसंगतियों को आसानी से देखा होगा। इस बातचीत में ट्रंप ने चारों अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर लौटने पर व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया। यह अवसर विशेष है। राज्य के प्रमुख का यह महसूस करना गलत नहीं है कि वह विश्व विजय प्राप्त करने वाले अपने देशवासियों के सम्मान के अवसर पर अपने ऊपर कुछ विश्व विजेता चिह्न छिड़कने चाहिए।

जब मैं व्हाइट हाउस आऊंगा तो मैं आपके हस्ताक्षर चाहता हूं। मुझे आमतौर पर किसी के हस्ताक्षर नहीं मिलते; लेकिन राष्ट्रपति ने अपने अंतरिक्ष यात्रियों से कहा कि आप एक अपवाद हैं, लेकिन ट्रम्प ने यह नहीं पूछा कि व्हाइट हाउस अंतरिक्ष से कैसा दिखता है, या चंद्रमा को देखना कैसा लगता है, और उन्होंने आवश्यक सभ्यता के साथ जवाब दिया। उन्होंने विशेष खुशी के पीछे का कारण भी बताया। तथ्य यह है कि इस समय एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री हमारे साथ है, महत्वपूर्ण था।

ट्रंप ने अमेरिका के इस पड़ोसी देश के खिलाफ सख्त आयात शुल्क लगा दिया था। नतीजतन, एक पारंपरिक भागीदार और पड़ोसी देश के साथ अमेरिका के ऐतिहासिक संबंध कड़वे हो गए हैं। लेकिन इस वास्तविकता की परवाह किए बिना, अंतरिक्ष यात्रियों ने कनाडाई अंतरिक्ष यात्री होने के बारे में खुशी व्यक्त की। इतना ही नहीं, बल्कि इसने यह भी बताया कि अंतरिक्ष यान में संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के राष्ट्रीय झंडे कैसे एक-दूसरे के करीब हैं। केवल एक सच्चे लोकतांत्रिक देश के नागरिक ही ऐसा कर सकते हैं।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आर्टेमिस अंतरिक्ष यान ऐसे देशों के नागरिकों का इलाज कर रहा है। अंतरिक्ष यात्रा क्या सिखाती है, इस सवाल पर इन अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा दिया गया उत्तर किसी भी बुद्धिमान सज्जन को अभिभूत कर देगा। इस प्रश्न का उनका उत्तर 'विनम्रता' भी उनकी बौद्धिक परिपक्वता को दर्शाता है। एक बार गुरुत्वाकर्षण की सीमाएं पार हो जाती हैं, तो देशों के बीच की सीमाएं धुंधली हो जाती हैं और उन्हें इस ब्रह्मांडीय ब्रह्मांड में अपने खालीपन और हीनता का एहसास होता है। हर कोई इस तथ्य को जानता है कि यह चंद्रमा स्वयं प्रकट नहीं है, सूर्य चमकता है, और हर कोई इस कल्पना को भी जानता है कि ग्रहण सितारों द्वारा शापित है, फिर भी इस चंद्रमा के दर्शन का 'मुहूर्त' अभी भी कई लोगों के लिए महत्वपूर्ण है। वे प्यार से जोर दे सकते हैं कि वे बैठेंगे और बात करेंगे।

अमेरिका-ईरान सीजफायरः पाक की कूटनीतिक जीत, 'विश्वगुरु देखता रह गया

दुनिया की राजनीति में कभी-कभी ऐसे मोड़ आते हैं जो किसी देश की पहचान और उसकी विदेश नीति की असली परीक्षा लेते हैं। पिछले कुछ महीनों में जो कुछ हुआ, वह भारत के लिए एक गहरी सोच का विषय है। अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग को रोकने में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने जो भूमिका निभाई, उसने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा। ट्रंप ने खुद अपने बयान में साफ कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ और फील्ड मार्शल मुनीर के अनुरोध पर उन्होंने ईरान पर होने वाले हमले को रोका और दो हफ्ते का संघर्ष विराम स्वीकार किया। यह कोई छोटी बात नहीं थी यह उस वक़्त हुआ जब दुनिया एक बड़े युद्ध के मुहाने पर खड़ी थी। इससे पहले भी अक्टूबर में मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन में ट्रंप ने मंच से शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया और आसिम मुनीर को मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शल कहा। गाजा में युद्ध विराम नौ अक्टूबर को लागू हुआ और इस पूरी प्रक्रिया में

–संजय सक्सेना

पाकिस्तान की भूमिका को खुलकर सराहा गया। भारत उस वक़्त कहाँ था? यह सवाल अब सिर्फ. विपक्षी नेता नहीं, बल्कि दुनिया के कूटनीतिक हलके भी पूछ रहे हैं।भारत की विदेश नीति की एक पुरानी और मजबूत परंपरा रही है। द्विपक्षीय संबंध, किसी गुट में न जाना, और अपनी स्वायत्तता बनाए रखना। यही नीति नेहरू के जमाने से चली आ रही है और मोदी सरकार भी इसी रास्ते पर चलती दिखती है। लेकिन आज की दुनिया में जहाँ कूटनीति की जगह संबंधों की गर्मजोशी और व्यक्तिगत रिश्ते तय करते हैं कि किसकी बात मानी जाएगी, वहाँ यह पुरानी नीति काफी नहीं रह गई।मोदी और ट्रंप के बीच व्यक्तिगत रिश्ता हमेशा से चर्चा में रहा है। ₹हाउडी मोदी₹ और ₹नमस्ते ट्रंप₹ जैसे विशाल कार्यक्रम इसी गर्मजोशी की गवाही देते हैं। लेकिन जब ट्रंप ने बार-बार पचास से ज्यादा मौकों पर कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करवाया, तो भारत ने इसे मानने से इनकार कर दिया और कहा कि यह विराम दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत से हुआ। पाकिस्तान ने उसी पल को भाँप लिया और उस खाली जगह को भरने के लिए आगे बढ़ गया।

विश्लेषकों का कहना है कि भारत के उदास इनकार ने एक ऐसी जगह बना दी जिसे मुनीर और शरीफ ने तुरंत भर दिया। यह क्या भारत की कूटनीति की एक बड़ी चूक थी। ट्रंप जैसे नेता को श्रेय देना एक छोटी कीमत होती, लेकिन उस श्रेय को न देने की कीमत बहुत बड़ी निकली। पाकिस्तान ने ट्रंप की हर उपलब्धि पर तालियां बजाईं, उन्हें शांति का दूत कहा, और काहिरा के शांति सम्मेलन में शरीफ ने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित तक कर दिया। यह चाहे राजनीतिक चालाकी हो या असली सम्मान, इसने पाकिस्तान को वाशिंगटन की नजरों में एक भरोसेमंद साझेदार बना दिया।अब सवाल उठता है कि भारत ने मध्य पूर्व में शांति के लिए सक्रिय भूमिका क्यों नहीं निभाई। इसके पीछे कई कारण हैं। पहला भारत की नीति रही है कि वह इजरायल और फिलिस्तीन दोनों से अपने संबंध बनाए रखे। भारत के इजरायल से गहरे रक्षा और तकनीकी संबंध हैं और वह उस पर सार्वजनिक दबाव डालने की स्थिति में नहीं है। दूसरा भारत अरब और मुस्लिम देशों के गुट का हिस्सा नहीं है, इसलिए गाजा पर उसकी आवाज का वह असर नहीं होता जो पाकिस्तान, तुर्किये या मिस्र की होती है। तीसरा भारत का पूरा ध्यान अपने क्षेत्र में चीन और पाकिस्तान से संतुलन बनाने पर लगा है, वैश्विक शांति का मध्यस्थ बनने की राजनीतिक इच्छाशक्ति अभी तक नहीं दिखी।लेकिन इस सबके बावजूद एक कड़वी सच्चाई है। पाकिस्तान को इस पूरी कवायद का जो फायदा मिला, वह यह है कि अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध अब नई ऊँचाइयों पर हैं व्यापार, खनिज, सुरक्षा सहयोग, और क्षेत्रीय रणनीति, सब कुछ एक साथ आगे बढ़ रहा है। ट्रंप ने पाकिस्तानी निवेश के द्वार भी खोले और मुनीर को एक ऐसे नेता की तरह पेश किया जिस पर अमेरिका भरोसा करता है। यह पाकिस्तान की उस छवि से बिल्कुल अलग है जो दशकों से आतंकवाद के समर्थक के रूप में बनी थी।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। जो देश खुद को विश्वगुरु और एक उभरती हुई महाशक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, वह जब वैश्विक संकट के समय चुप्पी साधे रहता है, तो दुनिया सवाल पूछती है। भारत संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग करता है, लेकिन जब बड़े युद्धों को रोकने की बात आती है, तो उसकी भूमिका नदारद रहती है।यह भी ध्यान देने योग्य है कि यह सब उस पृष्ठभूमि में हो रहा है जहाँ मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष और उसके बाद के युद्ध विराम को लेकर भारत के भीतर ही विपक्ष ने यह आरोप लगाया कि यह ट्रंप के दबाव में स्वीकार किया गया। यानी एक तरफ भारत कह रहा है कि वह किसी बाहरी दबाव में नहीं झुका, और दूसरी तरफ पाकिस्तान उसी दबाव को अपनी कूटनीतिक उपलब्धि बताकर दुनिया के सामने परोस रहा है। इस कथा-युद्ध में पाकिस्तान आगे निकल गया। असली सवाल यह है कि भारत आगे क्या करेगा। क्या वह अपनी पुरानी नीति पर कायम रहेगा, या वह भी अब सक्रिय कूटनीति की राह पकड़ेगा? दुनिया तेजी से बदल रही है। जो देश अपनी ताकत का इस्तेमाल केवल अपनी सीमाओं की रक्षा के लिए करते हैं, वे महाशक्ति नहीं बनते। महाशक्ति वह बनता है जो दूसरों के संकट में भी अपनी आवाज उठाने की हिम्मत रखता हो और जिसकी बात सुनी जाती हो। पाकिस्तान ने, अपनी तमाम आंतरिक कमजोरियों के बावजूद, यह साबित किया है कि सही वक़्त पर सही रिश्ते और सही साहस दिखाने से छोटे देश भी बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। भारत को इससे सीखना होगा, वरना विश्व गुरु की पदवी केवल भाषणों तक सिमटी रह जाएगी।

मानवता और ज्ञान के प्रकाश को प्रभावित करती महायुद्ध की काली छाया

महात्मा गांधी ने अहिंसा को मानवता का सबसे बड़ा अस्त्र बताया था,उनका प्रसिद्ध कथन है किआँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी। उन्होंने यह भी कहा कि ह्लअहिंसा मानवता का परम धर्म है, और यह स्पष्ट किया कि स्थायी शांति केवल सत्य और अहिंसा के मार्ग से ही संभव है, न कि युद्ध से। ज्ञान, संवेदना और मानवता से परे जब महायुद्ध की आहट सुनाई देती है, तब केवल सीमाओं का विस्तार या सत्ता का संघर्ष नहीं होता, बल्कि पूरी मानव सभ्यता अपनी आत्मा के संकट से गुजरती है। यह वही समय होता है जब विज्ञान, जो मानव कल्याण का साधन होना चाहिए था, विनाश का औजार बन जाता है

संजीव ठाकुर

और ज्ञान, जो प्रकाश फैलाने के लिए था, अंधकार को और गहरा कर देता है। आज का महायुद्ध केवल बंदूकों और बमों तक सीमित नहीं रहा, यह तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर हमलों और परमाणु शक्ति के रूप में इतना भयावह हो चुका है कि इसका परिणाम केवल हार-जीत नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है।

गौतम बुद्ध ने करुणा और शांति को जीवन का मूल आधार माना था, उनका संदेश था घृणा से घृणा कभी समाप्त नहीं होती, प्रेम से ही समाप्त होती है। यह विचार बताता है कि युद्ध की आग को केवल प्रेम और समझदारी से ही बुझाया जा सकता है। जब एक देश अपनी शक्ति का प्रदर्शन करता है, तो वह केवल अपनी सीमाओं की रक्षा नहीं करता, बल्कि अनजाने में दूसरे देशों के लिए भय, असुरक्षा और विनाश का कारण भी बन जाता है। यही शक्ति संतुलन की असमानता महायुद्ध की नींव रखती है, जहाँ एक का सामर्थ्य दूसरे के लिए संकट बन जाता है और यह संकट धीरे-धीरे पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लेता है। आज मानवता चीख रही है, रो रही है, क्योंकि जिन हाथों ने मशीनें बनाई थीं, उन्हीं हाथों ने विनाश के हथियार भी गढ़ लिए हैं। वैज्ञानिक प्रगति का यह विडंबनापूर्ण रूप हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम सच में विकसित हुए हैं या केवल विनाश के नए-नए तरीके खोज लिए हैं। युद्ध के मैदान में गिरता हर सैनिक केवल एक शरीर नहीं होता, वह किसी का बेटा, किसी का पिता, किसी का सपना होता है, और जब वह गिरता है, तो उसके साथ कई जीवन बिखर जाते हैं। बच्चों की मासूमियत, माताओं की ममता और बुजुर्गों की आशाएँ इस महायुद्ध की भेंट चढ़ जाती हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या युद्ध का अंत शांति में नहीं हो सकता, क्या संवाद और वार्ता के माध्यम से समाधान नहीं निकाला जा सकता। इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि जहाँ युद्ध ने केवल विनाश दिया, वहीं शांति वाताओं ने नए युग की शुरूआत की है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने भी यही कहा कि अंधकार अंधकार को नहीं मिटा सकता, केवल प्रकाश ही ऐसा कर सकता है,और यह प्रकाश केवल शांति और संवाद के माध्यम से ही संभव है।₹ जब राष्ट्र अपने अहंकार और शक्ति प्रदर्शन को त्यागकर एक-दूसरे के साथ बैठते हैं, तो समस्याओं का समाधान निकलता है, क्योंकि संवाद वह सेतु है जो दुश्मनी को भी दोस्ती में बदल सकता है। आज की दुनिया को यह समझने की आवश्यकता है कि युद्ध कोई समाधान नहीं, बल्कि समस्याओं को और जटिल बनाने का माध्यम है। विज्ञान का उपयोग यदि मानव कल्याण के लिए किया जाए, तो यह जीवन को सरल और सुंदर बना सकता है, लेकिन यदि इसका दुरुपयोग किया गया, तो यह पूरी सृष्टि को विनाश के कगार पर पहुँचा सकता है। मुझे नहीं पता तीसरा विश्व युद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्व युद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। उनका यह कहना।विज्ञान के दुरुपयोग की भयावह परिणति को दशार्ता है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति बलपूर्वक नहीं रखी जा सकती, यह केवल समझ से प्राप्त होती है। हमें यह तय करना होगा कि हम अपने ज्ञान का उपयोग किस दिशा में करना चाहते हैं,सृजन की ओर या विनाश की ओर। महायुद्ध की यह भयावह छाया हमें चेतावनी देती है कि यदि हमने समय रहते अपने मार्ग को नहीं बदला, तो वह दिन दूर नहीं जब मानवता केवल इतिहास की पुस्तकों में ही रह जाएगी। इसलिए आवश्यक है कि विश्व के सभी राष्ट्र अपने मतभेदों को भुलाकर शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व के मार्ग को अपनाएँ। युद्ध के स्थान पर यदि हम संवाद को प्राथमिकता दें, तो न केवल संघर्ष टल सकते हैं, बल्कि एक बेहतर और सुरक्षित दुनिया का निर्माण भी संभव है। अंततः यह मानवता की परीक्षा का समय है, जहाँ हमें यह साबित करना होगा कि हम केवल तकनीकी रूप से ही नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी विकसित हैं, और यही विकास हमें महायुद्ध की विभीषिका से बचाकर शांति के मार्ग पर आगे बढ़ा सकता है।

नदियों की गोंद में बसा उत्तर प्रदेश का आजमगढ़ जिला

आजमगढ़ जिला उत्तर प्रदेश केबिन में स्थित है, जो तमसा नदी के तट पर बसा हुआ है। यह जिला उत्तर प्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है और गंगा और घाघरा नदियों के मध्य बसा हुआ है। आजमगढ़ जिला अपनी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें कई ऋषियों और मनीषियों की जन्मस्थली है। इस जिले में कई प्रमुख स्थल है, जैसे कि भंवरनाथ मंदिर, दुवार्सा, मुबारकपुर, मेहनगर, और अवंतिकापुरी। आजमगढ़ जिला उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में स्थित है, जो 17 नदियों के संगम पर बसा हुआ है। इन नदियों में प्रमुख हैंः घाघरा(सरयू)ः जिले की उत्तरी सीमा पर लगभग 45 किमी तक बहती है। तमसाः जिले के मध्यभाग से पश्चिम से पूरब की ओर बहती है। कुंवरः असनी गांव के ताल से उत्पन्न होकर लगभग 70 किमी बहती है और दत्तात्रेय आश्रम के पास तमसा में संगम बनाती है। मंजूषा(मझुई)ः सुल्तानपुर से निकलकर अहरौला होते हुए दुवार्सा में तमसा में मिलती है। गांगीः ठेकमा के जुवली के पास

-विक्रम दयाल

जिले में प्रवेश करती है और गाजीपुर की सीमा में प्रवेश करती है। बेसोः मार्टिनगंज ब्लाक के एक ताल से निकलती है और गाजीपुर तक जाती है। सिलनीः लसहरा लालग्राम भीतरी से उद्गम होती है और 35 किमी बहने के बाद तमसा में समा जाती है। उदंतीः लालगंज ब्लाक के एक तालाब से निकलकर मेहनाजपुर की ओर से जाती है। मंगईः जौनपुर से जिले की सीमा में प्रवेश करती है। भैंसहीः जिले में बहती है। लोनीः जिले में बहती है। दोनाः जिले में बहती है। ओराः जिले में बहती है। बागड़ीः निजामाबाद के गंधुई बढ़या ताल से निकलकर कुंवर नदी में मिलती है। सुकसुईः जिले में बहती है। कयाड़ः जिले मैं बहती है। छोटी सरयूः महाराजगंज से होकर गुजरती है। आजमगढ़ ऋषियों और मुनियों की तपोभूमि भी है, जहाँ महर्षि दुवार्सा, ऋषि दत्तात्रेय और चंद्रमा ऋषि ने तप और साधना से इस क्षेत्र को पावन बनाया। उनके आश्रम आज भी यहाँ मौजूद हैं, जो इस जिले की अध्यात्मिक पहचान को और गहरा करते है। कृषि और जलवायुः आजमगढ़ की मिट्टी अधिक उपजाऊ है, और यहाँ चावल, गन्ना, गेहूँ, मूंग, मक्का, सरसो, आदि की खेती होती है। जिले की जलवायु आर्द्र और गर्म है, जो कृषि के लिए अनुकूल है। कला कृतियांः आजमगढ़ अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें लोकगीत, लोकनृत्य, और हस्तशिल्प शामिल है। चौहद्दीः आजमगढ़ जिला उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल में स्थित है, और इसकी सीमाएँ उत्तर में गोरखपुर, पूर्व में मौऊ, दक्षिण में जौनपुर, और पश्चिम में सुल्तानपुर से मिलती हैं। इस जिले में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है, जिनमें से कुछ प्रमुख हैंः दुवार्सा ऋषि आश्रमः यह आश्रम तमसा और मंजूषा नदियों के संगम पर स्थित है और दुवार्सा ऋषि के तपोभूमि के रूप में प्रसिद्ध है। भंवर नाथ मंदिरः यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और शहर के पश्चिमी भाग में स्थित है। अवंतिकापुरीः यह एक पवित्र स्थल है जहां राजा परीक्षित ने यज्ञ किया था। मेहनगरः यह एक ऐतिहासिक स्थल है। जहां राजा हरिवंश ने किला बनवाया था। निजामाबादः यह काली मिट्टी के बर्तनों के लिए प्रसिद्ध है। जो एक विशेष फायरिंग प्रक्रिया से बनाये जाते हैं। पलना डैमः यह एक सुंदर स्थल है, जहां पिकनिक, बोटिंग और फिसिंग का आनंद लिया जा सकता है। चांडोतालः यह एक चित्रमय झील है जो हरी भरी हरियाली से घिरा हुआ है। गोविंद साहब मंदिरः यह भगवान कृष्ण के भक्तों के लिए एक पवित्र स्थान है। किसुन्दासपुर पक्षी अभयारण्यः यह एक स्वर्ग है प्रकृति प्रेमियों के लिए, जहाँ विभिन्न प्रकार के सुंदर पक्षियों को देखा जा सकता है। आजमगढ़ संग्राहलयः यह संग्राहलय आजमगढ़ के समृद्ध इतिहास और धरोहर को प्रदर्शित करता है। शिक्षाः आजमगढ़ में कई शैक्षिक संस्थान है, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं शिब्ली राष्ट्रीय कालेजः यह एक प्रसिद्ध कालेज है जो शिक्षा और साहित्य के लिए जाना जाता है। आजमगढ़ विश्व-विद्यालयः यह एक प्रमुख प्रसिद्ध विश्वविद्यालय है जो विभिन्न विषयों में शिक्षा प्रदान करता है। उद्योगः काली मिट्टी के बर्तनः निजामाबाद में काली मिट्टी के बर्तनों का निर्माण एक प्रमुख उद्योग है। हथकरघाः आजमगढ़ में हथकरघा उद्योग भी प्रसिद्ध है, जहाँ विभिन्?न प्रकार के कपड़े बनाये जाते हैं। खाद्य प्रसंस्करणः आजमगढ़ में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग भी अब विकसित हो रहा है।

मुंबई के पूर्व उपमहापौर बाबू भाई भवानजी शिवसेना शिंदे गुट में शामिल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पूर्व उपमहापौर बाबूभाई भवानजी गत दिनों सायन के मानव सेवा संघ हाल में शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हो गए। बता दें कि (एकनाथ शिंदे) पदाधिकारियों की सभा यहां आयोजित की गई।इस सभा को डॉ श्रीकांत एकनाथ शिंदे (सांसद) लोकसभा गटनेता नेता ने संबोधित किया, इस सभा का आयोजन शिव सेना के जनरल सेक्रेटरी एवं पूर्व सांसद श्री राहुल शेवाले ने किया था। सभा में मुंबई के सारे संसद सदस्य, विधायक, नगर सेवक, विभाग प्रमुख, उपविभाग प्रमुख, गट प्रमुखों की मौजूदगी में मुंबई के पूर्व डेप्युटी मेयर, प्रखर हिंदूवादी नेता,बाबुभाई भवानजी ने सैकड़ों व्यापारी, जैन समाज और अन्य समाज के अग्रणी लोगों के साथ एकनाथ शिंदे की शिवसेना में प्रवेश किया। डॉ श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने उनको शिव सेना का धनुष्य बाण देकर स्वागत किया। इस अवसर पर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच डॉ श्रीकांत एकनाथ शिंदे ने अपने भाषण में शिव सैनिकों को बूथ लेवल तक पार्टी को बढ़ाने पर जोर दिया।जनरल सेक्रेटरी शेवाले ने पूरे राज्य में संगठन को मजबूत बनाने के लिए 1500 प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अगले तीन साल तक कोई चुनाव नहीं है, इसलिए महाराष्ट्र के हरेक गांव और मोहल्ला तक संगठन को मजबूत करेंगे। उन्होंने शाखा /सेवा कार्य पर जोर देने की बात की और बाबुभाई भवानजी द्वारा किए गए कामों की प्रशंसा की। बाबूभाई भवानजी के बारे में बोलते हुए

डॉक्टर श्रीकांत शिंदे ने कहा कि बाबू भाई जमीन से जुड़े नेता हैं वे हर समय आम आदमी के लिए उपलब्ध रहते हैं इसलिए उनके आने से पार्टी मजबूत होगी और व्यापारी कारोबारी, जैन, गुजराती,राजस्थानी, कच्छी समाज और आम आदमी में उसका आधार बढ़ेगा। उनके चेहरे से पार्टी को बहुत फायदा होगा। श्री शिंदे ने कहा कि पार्टी बाबूभाई भवानजी के दीर्घ अनुभव का फायदा उठाएगी और उन्हें बड़ी जवाबदारी दी जाएगी। बता दें कि बाबूभाई भवानजी मुंबई के दिग्गज नेता माने जाते हैं वे स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र हैं जमीन से जुड़े हैं,और कई बार नगरसेवक रहे चुके हैं। वे मुंबई के उप महापौर भी रह चुके हैं। उन्होंने आम आदमी के कल्याण के लिए अनेक ऐतिहासिक लड़ाइयां लड़ी हैं, अन्याय के खिलाफ लड़ते हुए उन्हें कही बार जेल भी हुई हैं। शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होने पर बाबूभाई भवानजी ने कहा कि वे पूरी मेहनत और लगन के साथ पार्टी का काम करेंगे।

महाराष्ट्र वारकरी साहित्य परिषद द्वारा आयोजित विशेष बैठक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। वारकरी साहित्य परिषद की विशेष बैठक रविवार 5 अप्रैल 2026 को आशिष बंगला मिशन कंपाउंड, पालघर में आयोजित की गई। इस बैठक का आयोजन प्रमुख अतिथि डॉ. निलेश राऊत की सहमति से हुआ। बैठक में पालघर जिले के प्रमुख पदाधिकारियों में जिलाध्यक्ष विनोद महाराज पाटील, उपाध्यक्ष गोविंद महाराज कातकडे, जिला प्रमुख हेमंत महाराज पाटील, जिला सचिव मोहन महाराज सिनलकर, जिला कार्याध्यक्ष दिलीप महाराज भोईर, विक्रमगड तहसील उपाध्यक्ष सुदाम महाराज, महिला जिला सचिव शीतलताई शिंदे, पद्मावती ताई पाटील सहित अन्य कई प्रतिष्ठित लोग उपस्थित थे। बैठक में विशेष रूप से वारक ऱ्यों के विभिन्न मुद्दों और समस्याओं पर चर्चा की गई और उनके समाधान के लिए उपयुक्त उपाय सुझाए गये। इसके अतिरिक्त, डहाणू तहसील अध्यक्ष उज्ज्वलाताई जगताप, मोखाडा तहसील अध्यक्ष भारतीताई गवारे व तलासरी तहसील अध्यक्ष लक्ष्मीताई महाराज अलकाताई माने, हभप लक्ष्मण महाराज सुतार, बोईसर विभाग प्रमुख, कैलास महाराज पुण्येक, समेत कई अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित थे। वारकरी साहित्य परिषद के पदाधिकारियों ने पालघर जिले के लोकप्रिय विधायक राजेंद्र गावित ने शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

ब्राह्मणगाव में आशा कार्यकर्ताओं ने एचपीवी टीकाकरण के प्रति चलाया जन जागरूकता अभियान

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के वाडा तहसील के ब्राह्मणगाव में आशा कार्यकर्ताओं ने किशोरियों में एचपीवी टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए व्यापक अभियान चलाया। इस अभियान का उद्देश्य गर्भाशय के कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व को जन-जन तक पहुँचाना था। आशा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर एचपीवी वायरस, इससे होने वाले रोगों और टीकाकरण के फायदों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कई माता-पिता के संकोच को दूर किया और उन्हें यह समझाया कि समय पर एचपीवी टीका लगवाना कितना जरूरी है। स्वास्थ्य विभाग के मार्गदर्शन में चलाए गये इस अभियान का परिणाम सकारात्मक रहा। अब ब्राह्मणगाव में एचपीवी टीकाकरण का रुझान बढ़ चुका है, और यह कार्यक्रम भविष्य में गर्भाशय के कैंसर के खतरे को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस तरह की जन जागरूकता अभियान की आवश्यकता और महत्त्व के बारे में इस अवसर पर प्रमुखता से बताया गया।

ओरल केयर को फिटनेस की तरह 'रीसेट' क्यों नहीं मिलता: डॉ. सोनिया दत्ता

मुंबई/पटना। अक्सर लोग जिम ज्वाइन करके या खान-पान बदलकर अपनी फिटनेस पर तो दोबारा ध्यान देते हैं, लेकिन दांतों की देखभाल (ओरल केयर) को लेकर वैसी गंभीरता नहीं दिखाते। डॉ सोनिया दत्ता, एमडीएस, पीएचडी, प्रोफेसर, पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री, इस अंतर की ओर इशारा करती हैं। उनके अनुसार, बचपन में सीखी गई ब्रश करने की आदतें सालों-साल चलती रहती हैं, जबकि समय के साथ हमारी जरूरतें बदल जाती हैं। साथ ही उन्होंने रोजाना की ओरल हाइजीन को बेहतर बनाने के लिए डाबर रेड पेस्ट जैसे भरोसेमंद समाधानों के इस्तेमाल पर भी जोर दिया है, जो आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का एक बेहतरीन मेल है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्राथमिकताओं में असंतुलन - जब शारीरिक फिटनेस की बात आती है, तो अधिकांश लोग लापरवाही के बाद स्वस्थ आदतों को अपनाने के लिए तुरंत तैयार हो जाते हैं।

राजीव खंडेलवाल टेलीविजन पर वापसी, बने सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव के होस्ट

मुंबई/पटना। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया लेकर आ रहा है तुम हो ना, एक नया रियलिटी गेम शो। यह शो जल्द ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर प्रसारित होगा। शो की मेजबानी करेंगे लोकप्रिय अभिनेता और होस्ट राजीव खंडेलवाल।

राजीव खंडेलवाल, अभिनेता और होस्ट, तुम हो ना, ने कहा: सालों से मुझे कई तरह के रोल ऑफर हुए हैं कुछ एक्सपेरिमेंटल, कुछ बिल्कुल अलग। लेकिन मैंने हमेशा वही चुना जो दिल से सही लगा और जिसमें मुझे सच्चा अर्थ दिखा। तुम हो ना के साथ मैं खुश हूं कि सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर टेलीविजन में वापसी कर रहा हूं। यह शो मेरे दिल के बेहद करीब है और दर्शकों के लिए एक खूबसूरत अनुभव लेकर आ रहा हूं। तुम हो ना से जुड़ी ताजा जानकारी और अपडेट्स के लिए बने रहिए सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव के साथ!

जमालपुर के सदर बाजार में EMEDIX Smart Pharmacy की नई शुरुआत

मुंबई/मुंगेर। मुंगेर जिले के जमालपुर स्थित सदर बाजार में EMEDIX Smart Pharmacy का नया स्टोर प्रारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती रेखा देवी ने फीता काटकर स्टोर का शुभारंभ किया। फ्रेंचाइजी ओनर अनीश कुमार ने बताया कि इस स्टोर के माध्यम से स्थानीय लोगों को ब्रांडेड और गुणवत्तापूर्ण दवाइयाँ उचित दरों पर उपलब्ध कराई जाएँगी, जिससे उन्हें बेहतर और भरोसेमंद सेवा मिल सके। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. संजय कुमार, डॉ. सौम्या सिन्हा, डॉ. विकास कुमार, डॉ. अमित, अमित कुमार, ज्योति वैद्य एवं अनिल वैद्य उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया।

भिवंडी में तृतीयपंथी समुदाय के असंख्य लोगों ने राकांपा में शामिल होकर की राजनीतिक शुरूआत

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के रामनगर डोंगरपाड़ा क्षेत्र में रहने वाले किन्नर (तृतीयपंथी) समुदाय के कई लोगों ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) में प्रवेश किया।

यह कार्यक्रम महिला शहराध्यक्ष स्वाती कांबळे की प्रमुख उपस्थिति में आयोजित किया गया। इस मौके पर पार्टी पदाधिकारी सबीना नूर अली, खुशी यादव, मोनालिसा केने, दुर्गा यादव और रोशनी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में किन्नर समुदाय के सदस्य और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

स्वाती कांबले ने बताया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से तृतीयपंथी समुदाय के लिए एक विशेष सेल का गठन किया गया है। इस सेल के माध्यम से सरकार की विभिन्न योजनाओं को इस समुदाय तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन में खुशी तिवारी ने विशेष मेहनत की।

मनराज प्रतिष्ठान का सेवा भावी कार्य बेहद सराहनीय: पद्मश्री अनूप जलोटा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मानव समाज की सेवा ही ईश्वर की सेवा और सबसे बड़ा धर्म है।इस जुनून को हर पल अपने साथ लेकर चलने वाले व्यक्ति मनोज राजन नाथानी को आप लोग देखेगें आगे आने वाले समय में बहुत ही जल्द पद्मश्री का सम्मान मिलेगा। उपरोक्त बातें पद्मश्री भजन सम्राट अनूप जलोटा ने माँ शीला क्लिनिक के 4थे स्थापना और मनराज प्रतिष्ठान के 450 वें मुफ्त चिकित्सा शिविर के पुरे होने पर कुर्ला(प)कच्छी बिसा हाल में आयोजित एक सम्मान समारोह में अपनी प्रस्तुति से पूर्व हजारों आशा कार्यकताओं को मंच से सम्बोधित करते हुए कहा।उन्होनें इस परमार्थ कार्य के लिए नाथानी परिवार की खुले दिल से सराहना करते हुए कहा कि मुझे इस बात का पुरा विश्वास है कि मनोज भाई के इस सेवा कार्य को उनके सुपुत्र ध्रुव नाथानी और भी आगे लेकर जायेगें।सुबह के सत्र में मनराज हाईट में शास्त्रीय संगीत की ज्ञाता भारतरत्न शहनाई बादक बिस्मिला खान की मानस पुत्री पद्मश्री डॉ सोमा घोष ने फीता काट कर माँ शीला क्लिनिक के 4था स्थापना दिवस और मनराज प्रतिष्ठान के 451वें मुफ्त चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया। पद्मश्री भजन सम्राट अनूप जलोटा पद्मश्री डॉ सोमा घोष और संगीतकार दिलीप सेन तथा मनोज नाथानी ने कच्छी बिसा हाल में दीप प्रज्वलित कर सम्मान समारोह का उद्घाटन किया।मनराज प्रतिष्ठान के मुख्य न्यासी मनोज राजन नाथानी ने अनूप जलोटा और डॉ सोमा घोष तथा दिलीप सेन के साथ अन्य कई गणमान्य लोगों को शाल गुलदस्ता और सम्मान चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में आशा आरोग्य कार्यकताओं को अतिथियों के हाथों आकर्षक उपहार देकर उन्हें सम्मानित किया गया।अनूप जलोटा ने ऐसी लागी लगन और कई भक्ति गीत प्रस्तुत कर हजारों महिलाओं को तालियां बजाकर झुमने पर मजबूर कर दिया।दिलीप सेन और डॉ सोमा घोष ने भी अपनी संगीतमय प्रस्तुति से उनका दिल जीत लिया।कार्यक्रम में फिल्म निर्मात्री देवता चव्हाण पाटील,नगर सेवक सगुन नाईक पूर्व नगर सेवक अजय शुक्ला निमार्ता दीपक पाटील पआर टी आई एक्टिविस्ट अनिल गलगली, पत्रकार आदित्य दुबे,चेतन कोरगावकर, नितेश प्रेमानी,ध्रुव मनोज नाथानी,मेघा मेघनानी, वासुदेव मेघनानी डॉ वैशाली भिड़े,डॉ प्रमिला पटेल आदि उपस्थित थे। कपिल कला केंद्र के ज्यू फिल्म कलाकारों आशा कार्यकताओं ने सभी कला प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया।हास्य कलाकार संजय वर्मा और कपिलदेव खरवार ने रंगा रंग कार्यक्रम और सम्मान समारोह का सुत्र संचालन दिनेश आढावदकर तथा समापन पर उन्नति जगदाले ने सभी लोगों के प्रति दिल से आभार व्यक्त किया।

चलती ट्रेन से लटके यात्री की जान बचाई कल्याण आरपीएफ

कल्याण (उत्तरशक्ति)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों की मुस्तैदी और साहसिक कार्रवाई से कल्याण रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा टल गया। ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ कर्मियों ने चलती ट्रेन से लटके एक यात्री को सुरक्षित बचाकर उसकी जान बचा ली।

आरपीएफ थाना कल्याण के प्रभारी पी.आर. मीणा के अनुसार, पुणेझसतरागाछी हमसफर एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म नंबर 4 से प्रस्थान करने लगी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर ड्यूटी कर रहे प्रधान आरक्षक गजानन अंभोरे और एमएसएफ जवान विशाल जाधव ने एक यात्री को ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच लटका हुआ देखा।

स्थिति की गंभीरता को समझते हुए दोनों जवान तुरंत दौड़ पड़े और कसारा छोर के पास पहुंचकर यात्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। तत्परता से की गई इस कार्रवाई के चलते एक बड़ा हादसा टल गया।

बचाए गए यात्री की पहचान अश्विनी कुमार बर्वे (63), निवासी बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि वे चाय पीने के लिए प्लेटफॉर्म पर उतरे थे, लेकिन ट्रेन चलने लगी तो चढ़ने के प्रयास में उनका पैर फिसल गया और वे ट्रेन व प्लेटफॉर्म के बीच फंस गए।

यात्री ने अपनी जान बचाने के लिए आरपीएफ जवानों का आभार व्यक्त किया। यह पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

मुंबई युवक कांग्रेस के न्याय सत्याग्रह में पहुंचे अर्जुन सिंह, यूथ कांग्रेस का बढ़ाया हौसला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई यूथ कांग्रेस द्वारा आयोजित न्याय सत्याग्रह के तीसरे दिन आज, मुंबई कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने मुंबई कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर नौजवानों को अपना समर्थन दिया। इस मौके पर अर्जुन सिंह ने महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यूथ कांग्रेस कांग्रेस के रीढ़ की हड्डी है। उन्होंने कहा कि आने वाला कल आप सब नौजवानों का है। केंद्र सरकार के नेताओं द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का अपमान करना निंदनीय है। मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ नेताओं को गलत शब्दों का प्रयोग कर 90 साल के बुजुर्ग को अपमानित करना यह मोदी सरकार के नेताओं की चाल चलन को दशार्ता है कि यह लोग किस विचारधारा के हैं। न्याय सत्याग्रह द्वारा शांतिपूर्ण सत्याग्रह कांग्रेस की विचारधारा को दशार्ता है। कांग्रेस के लोग शांति प्रिय लोग हैं, जो देश के सभी जाति धर्म तथा सभी संप्रदाय के लोगों को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। नौजवानों का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि आप सब इस सरकार के तानाशाह के खिलाफ जो आंदोलन सत्याग्रह कर रहे हैं, यही सही मायने में इंसानियत का जीता जागता सबूत है। आज देश में महंगाई चरम पर है। गैस सिलेंडर की भारी कमी की वजह से लाखों गरीब मजदूर शहरों को छोड़कर अपने गांव चले गए, जिसका असर देश की आर्थिक स्थिति पर पढ़ रहा है। कल कारखाने, फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर आ गई है। सरकार को जल्द से जल्द महंगाई तथा गैस डीजल पेट्रोल के कमी को नियंत्रित करना चाहिए और अमेरिका के आगे घुटने ना टेक कर, ईरान का साथ देना चाहिए। क्योंकि ईरान हमेशा से भारत का शुभचिंतक और मित्र रहा है। उन्होंने कहा कि देश की जनता जिस दिन उग्र होगी, केंद्र सरकार को इसका खामियाजा बहुत बुरा भुगतना पड़ेगा।

इस मौके पर मुंबई यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष जीनत सबरीन, यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष निखिल रूपारेल, जुबेर फारूकी, आसिफ खान ,राय साहब सरोज, शिव यादव, गणेश बाबूराव शेगर, आजाद खान, बाला साहब यादव, पंकज चौधरी ,शीतल म्हात्रे, कमलेश यादव तथा बड़ी संख्या में युवक कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन द्वारा धूमधाम से मनाई गई केवट निषाद राज की जयंती

मुंबई(उत्तरशक्ति)। केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित केवट निषाद राज जयंती समारोह में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी, जो एक ऐतिहासिक और भव्य रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत मछली शहर के मुख्य मार्गों पर विशाल रैली के साथ हुई, जिसमें 14 डीजे व 5 आकर्षक झांकियां शामिल थीं। इस रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक तुलसी राम केवट के नेतृत्व में आयोजित इस रैली ने शहर भर में धूम मचाई। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त बंदोबस्त किए थे। इस भव्य आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राज भूषण चौधरी (केंद्रीय राज्य मंत्री, भारत सरकार), सुनील कुमार वकील, राम आसरे, शिवराज बिंद, गोलू बिंद, सूरज केवट, देव दत्त बिंद, चंद्र शेखर, राधेश्याम मास्टर, डॉ अनुराग बिंद, डॉ महेश बिंद, दिनेश कुमार बिंद, राहुल बिंद, विजय बिंद, अमृतलाल बिंद, सनी बिंद, माता प्रसाद बिंद, सुजीत बिंद, सचिन बिंद, फूलचंद बिंद, डॉ राजेंद्र बिंद, महेश प्रताप बिंद, हरिश्चन्द्र बिंद, वीरेंद्र बिंद, चंद्रमणि बिंद, कमलेश बिंद ठेकेदार, अमर बहादुर बिंद, विनोद बिंद ठेकेदार, सुरेश बिंद, विनय बिंद, हंसराज बिंद कोटेदार, मंडल उपाध्यक्ष अशोक बिंद आदि ने शिरकत कर समारोह की गरिमा को बढ़ाया। समारोह में उपस्थित लोगों ने निषाद राज के योगदान को याद किया और उनकी महिमा का सम्मान करते हुए कार्यक्रम में सक्रिय रूप से सहभाग लिया।

प्रसिद्ध चित्रकार डा. लाल रत्नाकर की विशेष प्रदर्शनी माटी के रंग में सजेगी दुनिया का किया गया भव्य उद्घाटन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में कला प्रेमियों के लिए एक खास अवसर सामने आया है जहां प्रसिद्ध कलाकार डा. लाल रत्नाकर की चुनिंदा चित्रकृतियों की एकल प्रदर्शनी माटी के रंग का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन पूर्व गृहमंत्री कृपाशंकर सिंह, विधायक डा.रागिनी सोनकर, समाजवादी नेता अजय यादव के हाथों जहांगीर आर्ट गैलरी -3 में फीता काटकर किया गया। इस प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में कई प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित थी। इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के तौर पर उत्तर प्रदेश विधानसभा की विधायक डा. रागिनी सोनकर, प्रसिद्ध लेखक एवं अनुवादक डा. वी. आर. विवेकी और सपा महाराष्ट्र/मुंबई के उपाध्यक्ष अजय कुमार यादव, उद्योगपति विजय यादव, राम उजागिर यादव, अब्दुस्सलाम नोमानी, पत्रकार आचार्य सूरजपाल यादव उपस्थित थे। डा. लाल रत्नाकर की यह प्रदर्शनी उनकी कला यात्रा और भारतीय संस्कृति से जुड़े विषयों को दशार्ती है। माटी के रंग शीर्षक के अनुरूप, उनकी चित्रकृतियों में ग्रामीण जीवन, परंपराएं और भारतीय लोक-संवेदनाएं प्रमुख रूप से झलकती हैं। प्रदर्शनी के माध्यम से कलाकार ने मिट्टी से जुड़े जीवन, भावनाओं और सामाजिक सरोकारों को रंगों में उकेरने का प्रयास किया है। यह प्रदर्शनी 8 अप्रैल से 13 अप्रैल 2026 तक आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी। दर्शक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक इन चित्रों का अवलोकन कर सकेंगे। डा. लाल रत्नाकर ने उद्घाटन के अवसर पर अतिथियों को अपनी कलाकृतियों को विश्लेषणात्मक तरीके से समझाते हुए बताया कि दुनिया की आधी आबादी (महिलाएं) काले गोरे के भेदभाव से परे प्रेम और समर्पण का अनूठा संगम है। यह आयोजन कला प्रेमियों, छात्रों और शोधकताओं के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा, जहां वे समकालीन कला और पारंपरिक विषयों के संगम को करीब से देख पाएंगे। मुंबई जैसे महानगर में इस तरह की प्रदर्शनी न केवल कला को बढ़ावा देती है, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का भी कार्य करती है।

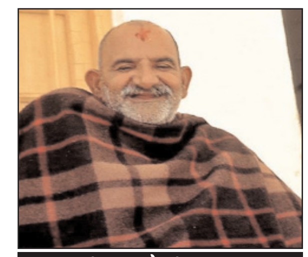

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जिलाधिकारी की तत्परता से फरियादी को मिला न्याय

जनसुनवाई में हुई त्वरित कार्रवाई, जिलाधिकारी के निर्देश पर सुलझा मामला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ.दिनेश चंद्र के समक्ष जनसुनवाई कक्ष में दिव्यांग और वयोवृद्ध मोहनलाल प्रजापति द्वारा प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अवगत कराया गया कि उन्होंने गहने के बदले ऋण लिया था और संपूर्ण ऋण राशि चुकाने के बावजूद भी उनके गहने वापस नहीं किए जा रहे हैं, जिससे वह अत्यंत परेशान है।

उक्त प्रकरण को जिलाधिकारी द्वारा गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए तत्काल प्रभारी निरीक्षक, कोतवाली को निर्देशित किया गया कि पीड़ित के गहने वापस कराए जाएं। निर्देशों के क्रम में दोनों पक्षों को बुलाकर मामले की सुनवाई की गई तथा आपसी सहमति से प्रकरण का निस्तारण कराया गया। इस दौरान पीड़ित को गहने वापस दिलाए गए। गहने वापस मिलने पर पीड़ित द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी एवं जिलाधिकारी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट निर्देश हैं कि आमजन की समस्या का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने जनपद स्तरीय सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभागों में प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक अनिवार्य रूप से जनसुनवाई करें तथा प्राप्त शिकायतों से संबंधित मामलों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं पारदर्शी निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

सामाजिक सरोकारों की दिशा में पीयू की सराहनीय पहल

राजकीय बालिका संरक्षण गृह, वाराणसी का शैक्षणिक भ्रमण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राजभवन सचिवालय, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में एक और प्रेरणादायी पहल के रूप में राजकीय बालिका संरक्षण गृह, रामनगर, वाराणसी का शैक्षणिक एवं संवेदनशील भ्रमण किया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.वंदना सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में हुआ।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की टीम ने बालिका गृह में निवासरत बालिकाओं के जीवन के विभिन्न आयामों–शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, मानसिक सुदृढ़ता एवं पुनर्वास का गहन अध्ययन एवं मूल्यांकन किया। भ्रमण का उद्देश्य केवल यहाँ की व्यवस्थाओं का अवलोकन करना ही नहीं, बल्कि यह भी ज्ञात करना था कि विश्वविद्यालय पॉक्सो अधिनियम एवं अन्य संवेदनशील परिस्थितियों में संरक्षण प्राप्त बालिकाओं के पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक सशक्तिकरण, कौशल विकास तथा सामाजिक पुनर्स्थापन में किस प्रकार प्रभावी योगदान दे सकता है।

भ्रमण दल का नेतृत्व अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने किया। उनके साथ उपकुलसचिव श्रीमती बबीता, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव एवं डॉ.मनोज कुमार पाण्डेय, अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान की शोध छात्रा एवं वरिष्ठ नैदानिक मनोवैज्ञानिक पायल, तथा दिवाकर शर्मा उपस्थित रहे।

संरक्षण गृह की प्रभारी संगीता राय, परामर्शदाता दीपिका सिंह एवं उनकी टीम ने विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए संपूर्ण परिसर का विस्तृत निरीक्षण कराया तथा आवास, पोषण, स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श सेवाएँ, शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समग्र जानकारी प्रदान की।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व के निर्वहन में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर बालिका गृह की प्रभारी संगीता राय ने कहा कि भविष्य में संयुक्त रूप से जागरूकता अभियानों, प्रशिक्षण सत्रों एवं कार्यशालाओं के आयोजन पर भी सहमति व्यक्त की।

मा.कुलाधिपति श्रीमती आनंदी बेन पटेल जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा किया जा रहा यह पहल शैक्षणिक संस्थाओं के न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सीजफायर वैश्विक शांति की दिशा में अहम कदम, स्थायी समाधान जरूरी: मोहम्मद अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने मध्य पूर्व में हालिया तनाव के बाद घोषित दो सप्ताह के सीजफायर का स्वागत करते हुए इसे वैश्विक शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

अपने बयान में उन्होंने कहा कि यह सीजफायर केवल एक राजनीतिक घटनाक्रम नहीं, बल्कि एक मानवीय आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हालात जिस दिशा में बढ़ रहे थे, वहां से पीछे हटना पूरी दुनिया के लिए राहत की बात है।

उन्होंने विशेष रूप से ईरान की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि मजबूत और निर्णायक रुख के बाद बना यह सीजफायर वैश्विक स्तर पर संतुलन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत देता है।

मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि मध्य पूर्व के संघर्षों ने हमेशा वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित किया है। इससे ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और मानव जीवन पर व्यापक असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी स्थायी समाधान नहीं देते, बल्कि विनाश और अस्थिरता को जन्म देते हैं।

उन्होंने अपील करते हुए कहा कि इस सीजफायर को अनिश्चितकाल तक बढ़ाकर स्थायी युद्धविराम में बदला जाए। सभी पक्ष न्याय, संप्रभुता और पारस्परिक सम्मान के आधार पर कूटनीतिक वार्ता शुरू करें। सैन्य टकराव के बजाय मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण को प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि संघर्ष दोबारा शुरू हुआ तो इसके गंभीर वैश्विक परिणाम हो सकते हैं। आज की जुड़ी हुई दुनिया में कोई भी क्षेत्रीय युद्ध तेजी से वैश्विक संकट में बदल सकता है, जिसमें आर्थिक अस्थिरता, मानवीय त्रासदी और सुरक्षा खतरे शामिल हैं।

अपने बयान के अंत में उन्होंने कहा कि यह सीजफायर एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसे स्थायी शांति में बदलना चाहिए। दुनिया को एकजुट होकर यह सुनिश्चित करना होगा कि आने वाली पीढ़ियां युद्ध नहीं, बल्कि स्थिरता और सहअस्तित्व की विरासत प्राप्त करें।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से किशुनदासपुर बाजार निवासी पवन उर्फ पिंटू की मौत

दिनेश विश्वकर्मा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के किशुनदासपुर बाजार निवासी पवन उमरवैश उर्फ पिंटू (40 वर्ष) की मंगलवार रात सड़क हादसे में दुखद मौत हो गई। बताया जाता है कि मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे पिंटू सड़क पर टहल रहे थे। इसी दौरान मछलीशहर से जंघई की ओर जा रही तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पिंटू गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण लगाने तथा सड़क सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

परिजनों की डांट से आहत किशोरी ने खाया विषाक्त पदार्थ, हालत गंभीर

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहा थाना क्षेत्र के समोधपुर गांव में बुधवार को एक किशोरी द्वारा विषाक्त पदार्थ सेवन करने का मामला सामने आया है। परिजनों की डांट से आहत होकर किशोरी ने यह कदम उठाया, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई।

जानकारी के अनुसार, समोधपुर गांव निवासी 17 वर्षीय आंचल, पुत्री राजेश कुमार, का परिजनों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसी बात से क्षुब्ध होकर उसने घर में रखा विषाक्त पदार्थ खा लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिससे परिजनों में अफरा-तफरी मच गई।

आनन-फानन में परिजन उसे उपचार के लिए नजदीकी राजकीय चिकित्सालय ले गए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। किशोरी की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। घटना के बाद परिवार में चिंता का माहौल बना हुआ है। वहीं चिकित्सकों की निगरानी में किशोरी का इलाज जारी है।

नेशनल प्लेयर प्रिया सिंह की हालत गंभीर, पति पर मारपीट के आरोप

पुलिस जांच पर भी उठे सवाल, मां ने सीएम योगी से मांगा इंसाफ

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद से एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है, जहां नेशनल स्तर की खिलाड़ी प्रिया सिंह जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही हैं। पीड़िता की मां निशा सिंह ने अपनी बेटी की इस हालत के लिए उसके पति और ससुराल पक्ष को जिम्मेदार ठहराते हुए मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है।

खेल के मैदान में बनाई थी खास पहचान निशा सिंह के अनुसार, प्रिया सिंह बचपन से ही खेलों में प्रतिभाशाली रही हैं। उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा अतुलानंद संस्थान से प्राप्त की, जहां से उनके खेल करियर की शुरूआत हुई। प्रिया ने भुवनेश्वर, त्रिपुरा सहित देश के कई राज्यों में आयोजित प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर कई मेडल अपने नाम किए और जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। काशी विद्यापीठ से बी.पी.एड और एम.पी.एड की डिग्री हासिल करने के साथ ही सिगरा स्टेडियम में अपने प्रदर्शन से उन्होंने खेल जगत में अलग पहचान बनाई।

शादी के बाद ही शुरू हो गई थी प्रताड़ना: मां के मुताबिक, वर्ष 2024 में प्रिया की शादी अमित कुमार वर्मा से हुई थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति के अन्य महिलाओं से संबंधों की जानकारी सामने आई। जब प्रिया ने इसका विरोध किया, तो उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा।

इंसाफ की आस में आज भी परिवार: परिवार का कहना है कि प्रिया ने अपनी मेहनत और लगन से खेल जगत में पहचान बनाई थी, लेकिन शादी के बाद उसकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। अब पूरा परिवार न्याय की उम्मीद में सरकार और प्रशासन की ओर देख रहा है।

तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत, गांव में पसरा मातम

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के पराहित गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में कोहराम मच गया और माहौल गमगीन हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पराहित गांव निवासी अरविंद का 12 वर्षीय पुत्र मोनू उर्फ सत्यम और लालबहादुर का 9 वर्षीय पुत्र उमंग मंगलवार की सुबह करीब 10 से 11 बजे के बीच घर से बिना बताए गांव के पास स्थित तालाब में नहाने चले गए। उस समय घर के अधिकांश लोग गेहूं की कटाई के लिए खेतों में गए हुए थे। शाम को जब परिजन खेत से लौटे तो दोनों बच्चे घर पर नहीं मिले। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद घर से लगभग 500 मीटर दूर स्थित तालाब में दोनों बच्चों के शव मिलने की सूचना मिली। ग्रामीणों की मदद से दोनों शवों को तालाब से बाहर निकाला गया।

ग्रामीणों के अनुसार, नहाने के दौरान दोनों बच्चे गहरे पानी में चले गए, जिससे डूबने से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मासूम बच्चों की मौत की खबर मिलते ही परिजनों, खासकर दोनों की माताओं का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले।

बताया जा रहा है कि मृतक मोनू उर्फ सत्यम के पिता लालबहादुर दिल्ली में रहकर मजदूरी करते हैं, जबकि उसकी मां ज्ञानमती गांव में ही रहती हैं। इस हृदयविदारक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है।

हत्याकाण्ड में तीन को आजीवन कारावास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक अदालत ने सराफा व्यवसायी रविंद्र मौर्या की हत्या के मामले में फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र प्रताप यादव ने दोषी संध्या मौर्या, भैयालाल और सूरज कुमार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने साक्ष्य छिपाने के आरोप में प्रत्येक दोषी पर 35 हजार रुपये, कुल 1.05 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार हैदरपुर निवासी रविंद्र मौर्या फेरी लगाकर जेवर बेचने का काम करते थे। 18 अगस्त 2020 को रामपुर डेरवा निवासी संध्या मौर्या ने पायल खरीदने के बहाने उन्हें अपने घर बुलाया था। जब रविंद्र रात भर घर नहीं लौटे, तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। संध्या के घर पहुंचने पर परिजनों को शक हुआ, क्योंकि उन्होंने देखा कि घर की नाली से खून बह रहा है। खून के निशानों का पीछा करते हुए परिजन पास के एक कुएं तक पहुंचे, जहां रविंद्र का शव बरामद हुआ।विवेचना के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी संध्या, भैयालाल और सूरज कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल रॉड, मृतक की साइकिल और लूटे गए चांदी के जेवर बरामद किए गए। पुलिस ने ठोस साक्ष्यों के साथ चार्जशीट दाखिल की, जिसके आधार पर न्यायालय ने तीनों को हत्या और साक्ष्य मिटाने का दोषी करार देते हुए यह सजा सुनाई।

विश्वविद्यालय परिसर के लिए जारी आदेश से हुआ भ्रम, विश्वविद्यालय पहुंचे विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बुधवार को टीडी कॉलेज एवं अन्य महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने स्क्रूटनी शुल्क को लेकर उत्पन्न भ्रम के कारण परिसर पहुँचकर विरोध प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों का कहना था कि पुनर्जांच के लिए शुल्क लिया जाएगा, जिससे वे नाराज होकर विश्वविद्यालय पहुँच गए।स्थिति स्पष्ट होने के बाद विद्यार्थियों ने स्वीकार किया कि उन्हें भ्रामक जानकारी मिली थी, जिसके कारण वे विरोध करने विश्वविद्यालय पहुँच गए थे।

दरअसल, विश्वविद्यालय द्वारा परिसर (कैम्पस) के विद्यार्थियों के लिए जारी नोटिस को विद्यार्थियों ने महाविद्यालयों के लिए लागू समझ लिया। टीडी कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप में किसी के द्वारा यह पत्र साझा कर दिया गया, जिससे भ्रम की स्थिति और बढ़ गई।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह, कुलसचिव केश लाल एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह के साथ हुई बैठक में विद्यार्थियों को स्पष्ट किया गया कि यह शुल्क केवल विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित है, महाविद्यालयों के विद्यार्थियों पर यह लागू नहीं होता। विश्वविद्यालय द्वारा जारी पूर्व नोटिस में भी परिसर का ही उल्लेख किया गया था।

प्रशासन ने बताया कि स्क्रूटनी शुल्क से संबंधित पत्र केवल कैम्पस के विद्यार्थियों के लिए था, लेकिन सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के कारण महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उसे अपने ऊपर लागू मान लिया, जिससे यह भ्रम उत्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि हाल ही में पुनर्मूल्यांकन से जुड़े निर्णय के तहत विद्यार्थियों से किसी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही ग्रामीण विकास की आधारशिला: विधायक

विधायक रमेश सिंह ने खुटहन के कौडिया गांव में 25 केवीए विद्युतीकरण कार्य का किया उद्घाटन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत कौडिया में मंगलवार को खुटहन रोड से डीह बाबा स्थल तक 25 केवीए विद्युतीकरण कार्य का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रमेश सिंह रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और क्षेत्र के विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।

विधायक रमेश सिंह ने अपने संदेश में कहा कि प्रदेश सरकार गांव-गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार ही ग्रामीण विकास की आधारशिला है। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि आगे भी जनहित से जुड़े कार्य प्राथमिकता पर किए जाते रहेंगे। विधायक ने कहा कि इस ट्रांसफार्मर से गांव में बिजली से जुड़ी समस्याओं से निजात मिलेगी। ब्लॉक प्रमुख बृजेश कुमार यादव ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह विद्युतीकरण कार्य ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है, जिससे लोगों को बेहतर विद्युत सुविधा मिलेगी और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। गांव के लोगों को बिजली की ट्रिपिंग, लो वोल्टेज और अंधेरे से मुक्ति मिलेगी।

मौके पर ग्राम प्रधान दुर्गा प्रसाद चौधरी, प्रधान प्रतिनिधि चंद्रेश कुमार चौधरी, राकेश कुमार चौधरी, विवेक कुमार सिंह, बद्दोपुर प्रधान कपिल देव बिंद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी में विवाद के बाद युवती ने गंगा में लगाई छलांग, नाविकों ने बचाई जान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। शहर के गंगा घाट पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां एक युवक द्वारा अपनी गर्लफ्रेंड को थप्पड़ मारने के बाद नाराज युवती ने गंगा नदी में छलांग लगा दी। घटना के समय युवक अपनी गर्लफ्रेंड और एक दोस्त के साथ घाट किनारे बैठा हुआ था। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर युवक और युवती के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। इसी दौरान युवक ने गुस्से में आकर युवती को थप्पड़ मार दिया। इस घटना से आहत युवती ने तुरंत गंगा में छलांग लगा दी। हालांकि, मौके पर मौजूद नाविकों की सतर्कता और तत्परता के चलते बड़ा हादसा टल गया। नाविकों ने तुरंत नदी में कूदकर युवती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

घटना के बाद घाट पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने इस तरह की घटनाओं पर चिंता जताते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर इस प्रकार के विवाद और हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। फिलहाल, युवती सुरक्षित है और उसे प्राथमिक उपचार के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी।

मनचले पर सिंगरामऊ पुलिस की कार्रवाई, छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोप में गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिंगरामऊ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। मिशन शक्ति-5.0 के अंतर्गत पुलिस टीम ने एक मनचले आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के नेतृत्व और क्षेत्राधिकारी बदलापुर के पर्यवेक्षण में थाना सिंगरामऊ पुलिस टीम राजा हरपाल सिंह कॉलेज के आसपास सघन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि कॉलेज के सामने एक युवक आने-जाने वाली छात्राओं के साथ अश्लील हरकतें कर रहा है और अश्लील गाने गा रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम शिवम गौतम उर्फ अभिषेक कुमार पुत्र पंचमराम, निवासी ग्राम अल्देमऊ, थाना कादीपुर, जनपद सुल्तानपुर बताया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सिंगरामऊ में मु0अ0सं0 39/26, धारा 296 बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक चमन सिंह, कांस्टेबल रजत पांडेय और कांस्टेबल सतीश कसौधन शामिल रहे।

2025 बैच के 21 आईएएस अधिकारियों की जिलों में तैनाती, 17 अप्रैल से संभालेंगे जिम्मेदारी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। प्रदेश सरकार ने 2025 बैच के 21 आईएएस अधिकारियों को जिला प्रशिक्षण के लिए तैनात करने का आदेश जारी कर दिया है। ये अधिकारी 17 अप्रैल से मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी से कार्यमुक्त होने के बाद विभिन्न जनपदों में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे। प्रशिक्षण के इस चरण में अधिकारियों को जिलों में प्रशासनिक कार्यों का व्यावहारिक अनुभव दिया जाएगा, जिससे वे शासन-प्रशासन की जमीनी हकीकत को समझ सकें और भविष्य में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

जिलावार तैनाती इस प्रकार है- शक्ति दुबे- मुरादाबाद, कोमल पुनिया- इटावा, आदित्य विक्रम अग्रवाल-अयोध्या, मयंक त्रिपाठी-कुशीनगर, हेमंत-आगरा, संस्कृति द्विवेदी-हरदोई, रिया सैनी-वाराणसी, शिवास सुभाष जगाड़े-बलरामपुर, शिवम सिंह-प्रयागराज, सलोनी गौतम-मथुरा, सिद्धार्थ सिंह-आजमगढ़, स्वेता-लखनऊ, रेखा सियाक-बांदा, आयुष जयसवाल-अलीगढ़, अपूर्वा सिंह-बस्ती, आयुष सैनी-झांसी, मुकुल खंडेवाल-गोरखपुर, थनीगैयारासन टी.-अंबेडकरनगर, संदीप-कानपुर नगर, रामभोश-सहारनपुर, विद्यांशु शेखर झा- बाराबंकी। सरकार की इस पहल से जहां जिलों में प्रशासनिक कार्यों को मजबूती मिलेगी, वहीं नवचयनित अधिकारियों को फील्ड में काम करने का महत्वपूर्ण अनुभव भी प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना को लेकर जौनपुर में अहम बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित जनसुनवाई कक्ष में मंगलवार देर सायं मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने और युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आवेदित मार्गों के संबंध में उपस्थित बस संचालकों से संवाद कर प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य प्रदेश की प्रत्येक ग्राम पंचायत को सस्ती, सुलभ और नियमित परिवहन सेवा से जोड़ना है। इसके माध्यम से ग्रामीण युवाओं को वाहन संचालन के जरिए रोजगार के अवसर मिलेंगे, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

बैठक के दौरान परमिट जारी करने, मार्ग निर्धारण, फेरे (ट्रिप) तय करने और संचालन व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई, ताकि योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट, एआरएम रोडवेज ममता चौबे, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सत्येंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बदलापुर पुलिस की कार्रवाई: 43 पौवा अवैध देशी शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में अपराध की रोकथाम और वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बदलापुर पुलिस ने एक आरोपी को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी बदलापुर के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने 07 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए हिम्मतपुर स्थित ईंट भट्ठे के पास छापेमारी की। इस दौरान आरोपी रमेश कुमार निषाद को 43 पौवा मिर्च मसाला अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना बदलापुर में मु0अ0सं0 165/26 धारा 60 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र दत्त, हेड कांस्टेबल अर्जुन गौतम एवं कांस्टेबल अनिल यादव शामिल रहे।

नौकरी के नाम पर बड़ा फजीवाड़ा, एक करोड़ की ठगी का आरोप

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। राजधानी के विकासनगर क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर बड़े फजीवाड़े का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक कथित एनजीओ के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग में भर्ती का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये वसूले गए। पीड़ितों के अनुसार, क्षय रोग जागरूकता अभियान में नियुक्ति दिलाने के नाम पर प्रति अभ्यर्थी 90 हजार से 1.10 लाख रुपये तक लिए गए। भरोसा दिलाने के लिए आरोपियों ने फर्जी नियुक्ति पत्र, आईडी कार्ड जारी किए और होटल में प्रशिक्षण भी कराया। शिकायत में बताया गया है कि मुख्य आरोपी पारसनाथ खरवार और उसके साथियों ने विकासनगर स्थित कार्यालय के जरिए करीब 100 से 150 युवाओं को निशाना बनाते हुए लगभग एक करोड़ रुपये की ठगी की। मामला तब उजागर हुआ जब अभ्यर्थी फील्ड में पहुंचे और स्वास्थ्य विभाग ने ऐसी किसी भर्ती प्रक्रिया से इनकार कर दिया। पीड़ितों का आरोप है कि पैसे वापस मांगने पर आरोपियों ने फोन बंद कर लिया और जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में थाना विकासनगर में शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जा रही है।

सैनिक बंधु की बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सैनिक बंधु की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा निस्तारण की सूचना संबंधित आवेदकों को समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराई जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों की समस्याओं का समाधान शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है, अतः इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सैनिकों से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ कार्य करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों द्वारा सैनिक बंधुओं की समस्याओं के समाधान हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया।

व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए नया वेब पोर्टल शुरू, आवेदन प्रक्रिया हुई आसान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला पूर्ति अधिकारी ने जनपद के सभी व्यावसायिक एवं औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं को सूचित किया है कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए एलपीजी की मांग के पंजीकरण और उसकी निगरानी के लिए एक नया वेब प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है, जो अब पूरी तरह से लाइव और कार्यात्मक है। यह प्लेटफॉर्म प्रमुख तेल कंपनियों द्वारा विकसित किया गया है, जिसके माध्यम से उपभोक्ता अपनी व्यावसायिक एवं औद्योगिक एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यकता को ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य मांग की पारदर्शी निगरानी और समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) द्वारा उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग पोर्टल लिंक उपलब्ध कराए गए हैं। इन पोर्टलों पर आवेदन करने के बाद संबंधित विभाग द्वारा उसकी समीक्षा कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि इस नई व्यवस्था से एलपीजी उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित समाधान होगा और आपूर्ति प्रक्रिया अधिक सुगम बनेगी। यदि आवेदन के दौरान किसी प्रकार की समस्या आती है, तो उपभोक्ता संबंधित कंपनी के अधिकारियों से सीधे संपर्क कर सकते हैं। इंडियन ऑयल के लिए रविकांत (असिस्टेंट मैनेजर, एलपीजी सेल्स) तथा भारत पेट्रोलियम के लिए निहाल पांडेय (मैनेजर सेल्स, एलपीजी) से सहायता प्राप्त की जा सकती है। प्रशासन ने सभी व्यावसायिक एवं औद्योगिक उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपनी एलपीजी आवश्यकताओं को समय पर पोर्टल पर दर्ज करें, ताकि आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सके।

सोनालीका ने 180504 ट्रैक्टरों की रिकॉर्ड वार्षिक बिक्री दर्ज की

पटना (उत्तरशक्ति)। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्तीय वर्ष 2026 में 180504 ट्रैक्टरों की अब तक सर्वाधिक कुल वार्षिक बिक्री दर्ज करके अपने 30वें वर्ष में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। यह सफलता कंपनी के अनुशासन, किसानों को प्राथमिकता देने के दृष्टिकोण और तकनीकी रूप से उन्नत, हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टरों की आपूर्ति पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है। वित्तीय वर्ष 2026 में सफल प्रोडक्ट लॉन्च के बाद, सोनालीका भविष्य की खेती में वृद्धि को और भी तेज करने के लिए आधुनिक समाधान प्रदान करने हेतु अपने रिसर्च और डेवलपमेंट क्षमताओं को मजबूत करने में लगा है। रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा कि अपने 30वें वर्ष में, हमारा जीतने का दम सचमुच साकार हुआ है, क्यूंकि हमने 180504 ट्रैक्टरों की अब तक सर्वाधिक कुल वार्षिक बिक्री की खास उपलब्धि हासिल की है। इस यात्रा को जो पहलु और भी खास बनाता है वह न केवल यह संख्या है, बल्कि इसके पीछे काम करने वाले लोगों की निरंतर मेहनत है। 50000 ट्रैक्टरों से 1 लाखङ्ख फिर 1.5 लाखङ्ख और अब 1.8 लाख तक हम लगभग उन्हीं टीम और पार्टनर्स के साथ आगे बढ़े हैं और हमने न केवल विस्तार किया है, बल्कि साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं।

जब काशी ने ओढ़ी सुरों की चादर : दूसरी निशा में जाग उठा संगीत का आत्मलोक

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की आध्यात्मिक वेला में जब रात अपने चरम पर होती है, तब संकट मोचन संगीत समारोह केवल एक आयोजन नहीं रह जाता, बल्कि वह साधना, समर्पण और सुरों का जीवंत महाकुंभ बन जाता है। 103वें समारोह की दूसरी निशा भी कुछ ऐसी ही रही, जहां थकान का अस्तित्व संगीत की तरंगों में विलीन हो गया और हर श्रोता सुरों की धारा में डूबता चला गया. दिनभर की व्यस्तता और रात्रि जागरण के बावजूद जैसे ही शाम ढली, मंदिर परिसर में संगीत प्रेमियों का सैलाब उमड़ पड़ा। यह वही काशी है, जहां संगीत केवल सुना नहीं जाता, बल्कि जिया जाता है। और जब मंच सजा, तो लगा मानो स्वरों की नींव पर रागों का एक विराट महल खड़ा हो रहा हो।

डिड-डिग-डिग, तुम-टी-तुम, शुवे...ईप... की अनुगूंज के साथ शुरू हुई पहली प्रस्तुति ने पारंपरिक संगीत की सीमाओं को तोड़ते हुए एक नए प्रयोग का द्वार खोल दिया। मंच पर जब ड्रम, बाल्टी, थाली, घंट और परात जैसे सामान्य प्रतीत होने वाले वस्त्र वाद्य बनकर सजे, तो श्रोताओं ने एक अद्भुत संगीत प्रयोग का साक्षात्कार किया। इस प्रस्तुति के केंद्र में थे विख्यात पर्कशनिस्ट पंडित शिवमणि, जिनकी उंगलियां किसी यांत्रिक गति से वाद्यों पर थिरक रही थीं। उनके साथ मेंडोलिन पर यू. राजेश और पखावज पर विश्वंभर नाथ मिश्र की संगत ने इस प्रस्तुति को शास्त्रीयता और आध्यात्मिकता के अद्भुत संगम में बदल दिया। रघुपति राघव राजाराम और गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो जैसे भजनों को साउथ इंडो-वेस्टर्न शैली में प्रस्तुत कर कलाकारों ने यह सिद्ध कर दिया कि भक्ति का स्वर किसी एक शैली का मोहताज नहीं होता। श्रोताओं के कदम स्वतः थिरक उठेकृकहीं कोई बैठा नहीं रहा, हर कोई इस लय का हिस्सा बन गया।

दूसरी प्रस्तुति में ग्रैमी सम्मानित पंडित विश्व मोहन भट्ट और उनके सुपुत्र सलिल भट्ट ने मोहन वीणा और सात्विक वीणा की जुगलबंदी से वातावरण को दिव्यता से भर दिया। राग विश्वरंजनी में आलाप, जोड़ और झाला के क्रम ने जैसे श्रोताओं को ध्यान की अवस्था में पहुंचा दिया। मध्य लय और द्रुत लय की गतकारी के साथ तीन ताल की प्रस्तुति में दोनों वाद्यों के बीच संवाद ऐसा प्रतीत हो रहा था, मानो दो साधक आत्मा के स्तर पर एक-दूसरे से संवाद कर रहे हों। रामधुन के साथ इस प्रस्तुति का समापन हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्ति में रंग दिया। तबले पर पं. रामकुमार मिश्र और कौशिक कुंवर की संगत ने इस जुगलबंदी को और प्रभावशाली बना दिया।

तीसरी प्रस्तुति में अजराड़ा घराना के जरगाम अकरम खां और दिल्ली घराना के खुर्रम अली नियाजी ने तबले की जुगलबंदी प्रस्तुत कर श्रोताओं को लय की गहराइयों से परिचित कराया। तीनताल में पेशकार, कायदा, टुकड़ा और रेला की प्रस्तुति के दौरान दोनों कलाकारों के बीच सवाल-जवाब का क्रम अत्यंत रोचक रहा। हर तिहाई के साथ श्रोताओं की वाहवाही गूंज उठती। संवादिनी पर मोहित साहनी और सारंगी पर अमान खां की संगत ने इस प्रस्तुति में मधुरता का स्पर्श जोड़ा, जिससे पूरी प्रस्तुति एक संतुलित संगीत अनुभव बन गई।

चौथी प्रस्तुति में रामपुर घराना के गुलाम अब्बास खां ने अपने गायन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। राग बिहाग में विलंबित ख्याल से शुरूआत करते हुए उन्होंने स्वर विस्तार की ऐसी बुनावट रची कि वातावरण पूरी तरह रसमय हो उठा। इसके बाद द्रुत लय में छोटा ख्याल और राग सोहनी की बंदिश ऐसो कन्हाई मानत नाहीं ने प्रस्तुति को चरम पर पहुंचा दिया।

तबले पर उस्ताद अकरम खां, संवादिनी पर पं. धर्मनाथ मिश्र और सारंगी पर विनायक सहाय की संगत ने इस प्रस्तुति को और अधिक प्रभावशाली बना दिया।पांचवीं प्रस्तुति में पं. शुभ महाराज ने तबले की थाप से जैसे संकट मोचन मंदिर की ईंट-ईंट में इतिहास की गूंज भर दी। तीनताल और धमार की जटिल संरचनाओं के बीच उन्होंने 16 और 14 मात्राओं की ऐसी कड़ियां स्थापित कीं, जिनमें बनारस घराने की परंपरा सजीव हो उठी। सारंगी पर विनायक सहाय और संवादिनी पर मोहित साहनी की संगत ने इस ऐतिहासिक प्रस्तुति को और भी रंगीन बना दिया।

छठवीं प्रस्तुति में कोलकाता से आए विख्यात सितार वादक पं. कुशल दास ने राग परमेश्वरी में आलापचारी से शुरूआत की। उनके सितार के सुर जैसे मंदिर परिसर में एक अदृश्य धारा की तरह बहने लगे। इसके बाद तीनताल में गतकारी और राग ललित के स्पर्श ने इस प्रस्तुति को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की। तबले पर पं. संजू सहाय की संगत ने इस प्रस्तुति को और भी सजीव बना दिया। श्रोता इस दौरान पूर्णतः ध्यानमग्न दिखाई दिए।

दूसरी निशा की अंतिम प्रस्तुति में पं. जसराज के शिष्य पं. रतन मोहन शर्मा ने अपने पुत्र स्वर शर्मा के साथ गायन प्रस्तुत किया। राग भैरव की गंभीरता और प्रातःकालीन रागों की मधुरता ने इस प्रस्तुति को एक अद्भुत समापन प्रदान किया। ऐसा लगा मानो संगीत स्वयं भोर का स्वागत कर रहा हो। तबले पर पं. रामकुमार मिश्र और संवादिनी पर पं. धर्मनाथ मिश्र की संगत ने इस प्रस्तुति को पूर्णता प्रदान की।

इस प्रकार संकट मोचन की दूसरी निशा केवल प्रस्तुतियों का क्रम नहीं रही, बल्कि यह एक आध्यात्मिक यात्रा बन गईकृजहां हर राग एक प्रार्थना था, हर ताल एक ध्यान। काशी ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि यहां संगीत केवल कला नहीं, बल्कि साधना है, और जो इस साधना में डूब गया, वह स्वयं को पा गया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का निधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दिल्ली वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का 93 वर्ष की आयु में दिल्ली में निधन हो गया। बाराबंकी सहित पूरे उत्तर प्रदेश में उनके निधन की खबर से शोक की लहर दौड़ गई है। राजनीतिक जीवन में लंबे समय तक सक्रिय रहीं मोहसिना किदवई ने केंद्र और राज्य सरकार में कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली और कांग्रेस पार्टी की कद्दावर नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। उनके निधन पर कांग्रेस और अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं समेत परिवार और प्रशंसकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

वह तीन बार मेरठ से रहीं सांसद, नोएडा में निकलेगी अंतिम यात्रा निकलेगी।

नोएडा के सेक्टर 40 स्थित आवास से मोहसिना किदवई की अंतिम यात्रा दोपहर 3 बजे निकलेगी। दिल्ली के निजामुद्दीन कब्रिस्तान में शाम पांच बजे उनको सुपुर्दे खाक किया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां चल रही हैं। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकारों में केंद्रीय मंत्री रहने के दौरान किदवई ने स्वास्थ्य, शहरी विकास, पर्यटन और नागरिक उड्डयन जैसे मंत्रालयों में काम किया।

1 जनवरी, 1932 को बाराबंकी में जन्मीं मोहसिना किदवई दो बार छत्तीसगढ़. से राज्यसभा सदस्य भी चुनी गईं। वह 1978 उपचुनाव, 1980 और 1984 में मेरठ से सांसद चुनी गईं। इसके बाद 2004 से 2010 और 2010 से 2016 तक राज्यसभा की सदस्?य रहीं।

गांधी परिवार की करीबी रहीं मोहसिना किदवई केंद्र सरकार में मंत्री के अलावा हज कमेटी की अध्यक्ष भी रहीं। उन्होंने कांग्रेस महासचिव के रूप में भी काम किया। वह कांग्रेस कार्य समिति और कांग्रेस पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य भी रहीं। वह लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहीं।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने मोहसिना किदवई के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मोहसिना किदवई बेहद सौम्य स्वभाव की थीं। उनके व्यक्तित्व में सरलता और विनम्रता झलकती थी। उनके निधन से कांग्रेस पार्टी को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कई बार केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में देश की सेवा की है। उनके योगदान को लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

उत्तर रेलवे की नई पहल: कई प्रमुख स्टेशनों को बाईपास करने की योजना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में रेल यातायात को सुगम और तेज बनाने के लिए उत्तर रेलवे द्वारा नई बाईपास रेल लाइनों के निर्माण की योजना बनाई जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत कई व्यस्त रेलवे स्टेशनों को बाईपास कर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने और भीड़भाड़ कम करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रस्तावित योजना के अनुसार कटरा से दर्शननगर के बीच अयोध्या क्षेत्र को बाईपास किया जाएगा। दिलदारनगर से बिलवई के बीच शाहगंज को बाईपास करने की तैयारी है। ट्रांसपोर्ट नगर से ब्लॉक हट ए केबिन के बीच उतरेटिया को बाईपास किया जाएगा। गोमती नगर से दिलकुशा की ओर मल्हौर स्टेशन को बाईपास करने की योजना है। सरकोनी से मड़ियाहूं के बीच जफराबाद को बाईपास किया जाएगा। मुफ्तीगंज से महगांवा के बीच जौनपुर को बाईपास करने का प्रस्ताव है। सराय कंसारी से मड़ियाहूं के बीच जंघई जंक्शन को बाईपास किया जाएगा। सलारपुर से मसौधा के बीच अयोध्या कैंट को बाईपास करने की योजना है। मसौधा से दर्शननगर के बीच अयोध्या कैंट, आचार्य नरेंद्र देव नगर और अयोध्या धाम जंक्शन को बाईपास किया जाएगा। ब्लॉक हट ए केबिन से मल्हौर की दिशा में दिलकुशा क्षेत्र को भी बाईपास करने की तैयारी है। इस परियोजना के लागू होने के बाद लंबी दूरी की ट्रेनों को शहरों के अंदरूनी भीड़भाड़ वाले स्टेशनों से गुजरने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे यात्रा समय में कमी आएगी और ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार होगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, योजना अभी प्रारंभिक चरण में है और सर्वे के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जफराबाद में बैंकिंग की बड़ी सौगात: बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा शुरू

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद के जफराबाद क्षेत्र में बैंकिंग सुविधाओं को नई मजबूती मिली है। बैंक ऑफ बड़ौदा की नई शाखा का उद्घाटन बुधवार को जफराबाद नगर पंचायत क्षेत्र में विधिवत संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में वाराणसी अंचल के प्रबंधक मिथिलेश कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार, उपक्षेत्रीय प्रबंधक हरिशंकर प्रसाद के साथ नगर पंचायत जफराबाद के चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ. सरफराज खान विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा डॉ. शिव कुमार सिंह, राजेश सिंह, प्रवीण सिंह, जमाल हाशमी, विकास सेठ और आशीष सेठ सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

अधिकारियों ने बताया कि नई शाखा खुलने से क्षेत्रीय लोगों को अब बैंकिंग सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। खाता खोलने, ऋण सुविधा, सरकारी योजनाओं का लाभ, शिक्षा ऋण और डिजिटल बैंकिंग जैसी सुविधाएं अब स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध होंगी। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के आर्थिक विकास और वित्तीय समावेशन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। घर के पास बैंकिंग सुविधा मिलने से जफराबाद के लोगों को मिली बड़ी राहत और विकास को नई रफ्तार।

सोनभद्र में 13 अप्रैल को मनाई जाएगी डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम 13 अप्रैल को जयंती की पूर्व संध्या पर आयोजित किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह एडवोकेट ने की। इस दौरान वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। पूर्व अध्यक्ष श्याम बिहारी यादव ने कहा कि 14 अप्रैल 1891 को जन्मे डॉ. अंबेडकर ने समाज में समानता, न्याय और शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कार्य किए। पूर्व अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने कहा कि अंबेडकर जयंती केवल एक तिथि नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, स्वतंत्रता और

बंधुत्व के मूल्यों को सशक्त करने का प्रतीक है। इसी भावना के साथ यह आयोजन किया जाएगा। बैठक का संचालन महामंत्री राजेंद्र कुमार यादव ने किया।

इस अवसर पर पवन कुमार सिंह, राजेश कुमार यादव, विमल प्रसाद सिंह, द्वारिकानाथ नागर, कामता प्रसाद यादव, सुरेश सिंह कुशवाहा, चतुर्भुज शर्मा, रामगुल्ली यादव, आशुतोष पांडेय, संतोष यादव, टीटू गुप्ता, चंद्रकला गिरी, सुश्री सुमन, शाहनवाज आलम खान सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

रेणुकूट व्यापार मंडल अध्यक्ष पद का चुनाव कल, प्रत्याशियों में उत्साह चरम पर

सुशील कुमार तिवारी

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। रेणुकूट व्यापार मंडल अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर लंबे समय से चल रही खींचतान, कानूनी प्रक्रिया और विवादों के बाद आखिरकार चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है। अब यह चुनाव बुधवार को निर्धारित तिथि पर संपन्न होगा, जिससे व्यापारियों में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है। चुनाव प्रक्रिया के दौरान कई अड़चनें सामने आईं। कुछ लोगों द्वारा चुनाव को रोकने की कोशिश की गई, वहीं कई प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा प्रशासन पर दबाव बनाने की भी चर्चा रही। इसके बावजूद उपजिलाधिकारी और पुलिस प्रशासन की निगरानी में चुनाव समिति ने पूरे दृढ़ संकल्प के साथ चुनाव कराने का निर्णय कायम रखा। बताया जा रहा है कि पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष ने चुनाव को टालने और पुनः मनोनयन के जरिए पद पर बने रहने का प्रयास किया। इसके लिए न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया गया और वाद संख्या 40/2026 दाखिल कर चुनाव पर रोक लगाने की मांग की गई। मामले को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के माध्यम से संचालित मेडिएशन सेंटर में भी भेजा गया, जहां दोनों पक्षों के बीच सुलह का प्रयास हुआ, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद चुनाव समिति ने सिविल कोर्ट में कैविएट दाखिल कर अपनी स्थिति स्पष्ट की, जिससे चुनाव प्रक्रिया पर किसी प्रकार की रोक नहीं लग सकी। अंतिम समय तक प्रयासों के बावजूद जब स्थगन आदेश नहीं मिला, तो चुनाव कराने का मार्ग पूरी तरह साफ हो गया।

इस चुनाव में कुल छह प्रत्याशी मैदान में हैं, जिन्होंने अपने-अपने चुनाव चिन्ह के साथ जोरदार प्रचार किया है। लगातार चले घटनाक्रम और मीडिया की सक्रियता के चलते यह चुनाव काफी चर्चित और रोचक बन गया है। अब व्यापारियों में खासा उत्साह है और वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर नए अध्यक्ष के चयन को लेकर तैयार हैं। चुनाव परिणाम को लेकर भी व्यापारिक समुदाय में उत्सुकता बनी हुई है।

समीर क्रिएशन रेडीमेड गारमेंट कंपनी का भव्य उद्घाटन, सामाजिक एकता का दिखा उत्साह

वापी (उत्तरशक्ति)। गुजरात के वापी जीआईडीसी क्षेत्र में समीर क्रिएशन मैन्युफैक्चरिंग रेडीमेड गारमेंट कंपनी का भव्य उद्घाटन समारोह बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ के राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उत्तर यादव युवा संघ गुजरात प्रदेश अध्यक्ष हरिराम यादव, कार्याध्यक्ष विजय यादव, कोषाध्यक्ष अरुण यादव, साथ ही संजय यादव और लालजी यादव सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए।

उद्घाटन समारोह की शुरूआत भगवान सत्यनारायण की पूजा और आशीर्वाद के साथ हुई। किलर कंपनी वापी जीआईडीसी के जीएम ज्ञानेंद्र सिंह यादव ने अपने पुत्र समीर सिंह यादव के नाम से स्थापित इस रेडीमेड गारमेंट कंपनी का उद्घाटन उनके ही हाथों कराया। उद्घाटन के बाद सभी अतिथियों और समाज के लोगों के लिए बाटी-चोखा का आयोजन किया गया, जिसका सभी ने आनंद लिया और भोजन की खूब सराहना की। इस अवसर पर वक्ताओं ने ज्ञानेंद्र सिंह यादव को नई पहल के लिए बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही भगवान योगेश्वर श्रीकृष्ण से प्रार्थना की गई कि वे उन्हें जीवन में निरंतर प्रगति प्रदान करें और समाज के उत्थान में वे अपना योगदान देते रहें। समारोह के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

ठाणे-बोरिवली ट्विन टनेल परियोजनाः नायक के बाद अर्जुना टीबीएम की शुरूआत

मुंबई। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (MEIL) ने ठाणेझबोरिवली ट्विन टनेल परियोजना के लिए अत्याधुनिक टनेल बोरिंग मशीन नायक का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, मेघा के एमडी कृष्णा रेड्डी और एमएमआरडीए के डॉ. संजय मुखर्जी सहित कई वरिष्ठ गणमान्य उपस्थित रहे।

11.84 किलोमीटर लंबी इस परियोजना में 10.25 किलोमीटर का डबल टनल और 1.59 किलोमीटर का कनेक्टिंग रोड शामिल है। परियोजना पूर्ण होने पर ठाणे के घोडबंदर रोड से बोरिवली के वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे तक सीधी भूमिगत कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे यात्रा समय 60झ90 मिनट से घटकर मात्र 15 मिनट रह जाएगा। संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के नीचे से गुजरने वाले इस निर्माण का जैवविविधता पर कोई प्रतिकूल असर नहीं होगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि इस परियोजना से प्रदूषण में कमी आएगी और भरपाई वृक्षारोपण के तहत 11,000 पेड़ लगाए जाएंगे।

परियोजना की विशेषताएँः भारत के सबसे बड़े हार्ड रॉक टीबीएम में से एक, यातायात व्यवस्थाः प्रत्येक टनल में 2 ट्रैफिक लेन + 1 इमरजेंसी लेन, सुरक्षाः हर 300 मीटर पर क्रॉस-पैसेज, मैकेनिकल वेंटिलेशन, फायर फाइटिंग और स्मोक डिटेक्शन सिस्टम, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार LED व रेट्रो-रिफ्लेक्टिव साइनेज, टीबीएम विशेषताएँः 13.34 मीटर व्यास, 86 मीटर लंबाई, लगभग 2500 टन वजन, जर्मन तकनीक से निर्मित, मुंबई में उपयोग किए गए सबसे बड़े कटरहेड्स में से एक, सिंगल-शील्ड, ओपन-टाइप डिजाइन, कठिन चट्टानी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त, अधिकतम गहराईः लगभग 23 मीटर, पर्यावरण अनुकूल निर्माण।

परियोजना का महत्वः प्रतिदिन लगभग 80,000 वाहनों की आवाजाही (2029 तक का अनुमान), यातायात जाम में कमी, प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण में गिरावट, सतत और एकीकृत शहरी विकास को बढ़ावा, यह परियोजना मुंबई के यातायात तंत्र को नई दिशा देने वाली है और नायक के बाद जल्द ही अर्जुना टीबीएम भी कार्य शुरू करेगी।

पीएनबी ने विक्रेताओं के वित्तीय एक्सेस में वृद्धि हेतु GeM के साथ समझौता ज्ञापन पर किए हस्ताक्षर

मुंबई। पंजाब नैशनल बैंक ने विक्रेताओं के वित्तीय एक्सेस में वृद्धि हेतु गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर GeM सहाय के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मुख्य विक्रेता अधिकारी, अजीत बी. चव्हाण और पीएनबी के डिजिटल बैंकिंग ट्रांसफॉर्मेशन प्रभाग के महाप्रबंधक, अतिश कुमार राउत ने हस्ताक्षर किए। इस समझौते के अंतर्गत PNB, GeM सहाय पोर्टल पर ऋणप्रदाता के रूप में सम्मिलित हो गया है। GeM सहाय पोर्टल पर पंजाब नैशनल बैंक के ऋणप्रदाता के रूप में सम्मिलित होने से विक्रेताओं को कई लाभ मिलेंगे। इससे उन्हें GeM क्रय आदेश पर बिना गारंटी वाले अल्प-कालिक ऋण तक त्वरित पंहुच संभव होगी, जिससे चलनिधि में सुधार होना एवं नकदी प्रवाह संबंधी चुनौतियां भी कम होंगी। यह साझेदारी विशेष रूप में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम और छोटे कारोबार को सशक्त बनाती है, जो नियत समय पर और वहनीय औपचारिक ऋण प्राप्ति में समस्याओं का सामना करती हैं। साथ ही, यह डिजिटल, कागजरहित ऋण प्रसंस्करण के माध्यम से पारदर्शिता और दक्षता भी सुनिश्चित करती है।

खरीद को वित्तपोषण के साथ एकीकृत करके, यह पहल कारोबार करने में सुगमता को मजबूत करती है, विक्रेता साझेदारी बढ़ाती है, और एक सहज, समावेशी तथा तकनीक पर आधारित खरीद पारितंत्र को प्रोत्साहित करते हुए भारत के डिजिटल इंडिया विजन का समर्थन करती है। इस अवसर पर, पंजाब नैशनल बैंक, डिजिटल बैंकिंग ट्रांसफॉर्मेशन प्रभाग के महाप्रबंधक, अतिश कुमार राउत ने कहाः गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के साथ इस साझेदारी का उद्देश्य डिजिटल इंडिया के विजन को आगे बढ़ाना है। विक्रेता को निर्बाध वित्तीय सहायता प्रदान करके हम मैनुअल कार्यों में उल्लेखनीय कमी लाने तथा क्रय पारितंत्र में पारदर्शिता, दक्षता और कारोबार करने में सुगमता को सुदृढ़ करने का लक्ष्य रखते हैं।

भाजपा का पंडित दीनदयाल उपाध्याय ट्रेनिंग महाभियान 2026 सफलतापूर्वक संपन्न

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ट्रेनिंग महाभियान 2026 का उद्घाटन समारोह ग्रीन पैराडाइज रिजॉर्ट, अनार्ला (वसई) में अत्यंत उत्साह और जोश के साथ संपन्न हुआ। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक कार्यकर्ता को पार्टी की विचारधारा, इतिहास और राष्ट्र-निर्माण में उसकी भूमिका से गहराई से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के ₹अंत्योदय₹ के सिद्धांत, सेवा, समर्पण और संगठन निर्माण के मूल्यों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया।

इस महाभियान के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि कार्यकर्ता केवल राजनीतिक रूप से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रवाद की भावना के साथ समाज से जुड़ें और लोगों के बीच पार्टी की नीतियों एवं सिद्धांतों को प्रभावी ढंग से पहुँचाएँ। यह प्रशिक्षण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वैचारिक आंदोलन है, जो कार्यकर्ताओं में नई चेतना का संचार करता है और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

इस अवसर पर नालासोपारा के विधायक राजन नाईक के साथ वसई-विरार जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रज्ञा ताई पाटिल, वरिष्ठ नेता हरेंद्र दादा पाटिल, महासचिव मनोज बारोट, नेता प्रतिपक्ष मनोज पाटिल, ग्रुप लीडर अशोक शेलके, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, तथा विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष–मनीष वैद्य, वैभव जगाड़े, विशाल राउत, सतीश कुमार सिंह, प्रमोद सिंह और सुनील तिवारी सहित अनेक पदाधिकारी, नगरसेवक और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस प्रशिक्षण ने कार्यकर्ताओं के भीतर यह विश्वास और अधिक मजबूत किया कि वे मजबूत संगठन, सुसंस्कृत विचार और राष्ट्रहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ समाज में विश्वास को और सुदृढ़ करेंगे।

अब फोनपे एसबीआई कार्ड पाएँ जीरो जॉइनिंग फीस पर

मुंबई। फोनपे ने हाल ही में लॉन्च किए गए फोनपे रइककार्ड क्रेडिट कार्ड पर, एक शानदार लिमिटेड टाइम ऑफर की घोषणा की है। प्रीमियम फाइनेंशियल रिवाड्र्स का लाभ सभी को मिल सके, इसके लिए, यह कार्ड अब पहले साल के लिए जीरो जॉइनिंग फीस के साथ पूरी तरह से फ्री है। मॉडर्न डिजिटल कस्टमर के लिए डिजाइन किया गया यह कार्ड ऑनलाइन शॉपिंग को खास बनाता है और हर ऑनलाइन शॉपिंग पर रिवाड्र्स कमाने का मौका देता है। यूजर्स रइककार्ड पर कमाए गए रिवॉर्ड पॉइंट्स का उपयोग, क्रेडिट कार्ड बिल को कम करने के लिए कर सकते हैं। हर पॉइंट की कीमत 1 है और कमाए गए कुल पॉइंट्स का उपयोग, मंथली स्टेटमेंट बिल का पेमेंट करने में किया जा सकता है - जिससे यूजर्स को अपने सेविंग्स करने में मदद मिलती है। हालाँकि कमाए गए सभी रिवॉर्ड, कार्ड की शर्तों और सीमाओं के अधीन होते हैं। फोनपे ऐप के माध्यम से सीधे अप्लाई करके, फोनपे रइककार्ड प्राप्त किया जा सकता है। जो यूजर्स के लिए, एक आसान और डिजिटल-फर्स्ट ऑनबोर्डिंग एक्सपीरियंस सुनिश्चित करता है।

किआ इंडिया द्वारा देशव्यापी समर रेडीनेस सर्विस कैंप शुरू

मुंबई। किआ इंडिया ने आज अपने देशव्यापी समर रेडीनेस सर्विस कैंप की शुरूआत की घोषणा की। यह कैंप 12 मई 2026 तक चलेगा। देशभर के 497 किआ अधिकृत वर्कशॉप्स में आयोजित यह कैंप किआ-प्रशिक्षित तकनीशियनों के जरिए वैश्विक स्तर की सर्विस देगा, ताकि देशभर के ग्राहक भीषण गर्मी के महीनों में सुरक्षित और आरामदायक सफर के लिए तैयार रह सकें। यह पहल एक बेहतरीन और प्रीमियम ओनरशिप अनुभव देने की किआ इंडिया की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। ग्राहकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, किआ समर रेडीनेस कैंप बेहतर सुविधा, वाहन की पूरी देखभाल और अतिरिक्त लाभों पर केंद्रित है। यह बिक्री के बाद भी संपूर्ण ब्रांड अनुभव को बेहतर बनाने की किआ की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। इस पहल के बारे में किआ इंडिया के सीनियर वीपी, सेल्स एंड मार्केटिंग, अतुल सूद ने कहा, रकिआ इंडिया में हमारा लक्ष्य सिर्फ विश्वस्तरीय वाहन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ग्राहकों को गाड़ी चलाने और उसके रखरखाव का एक शानदार अनुभव देना भी है। हमारा यह समर रेडीनेस कैंप ग्राहकों की पहले से देखभाल करने के हमारे वादे को पूरा करता है। इससे ग्राहकों को गर्मियों की दिक्कतों से बचने में मदद मिलेगी और उनका सफर सुरक्षित और आरामदायक बनेगा। ऐसी कोशिशों से हम अपने ग्राहकों का भरोसा और उनके साथ अपने दीर्घकालिक संबंध और मजबूत करते रहेंगे। यह कैंप ओनरशिप अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न मुफ्त सेवाएं, लाभ और जुड़ाव गतिविधियां प्रदान करता है। इसके तहत वाहन की समग्र स्वास्थ्य जांच की जाएगी, जिसमें विशेष रूप से समर रेडीनेस और एसी परफॉर्मेंस पर ध्यान देते हुए 20-पॉइंट निरीक्षण शामिल होगा, ताकि गर्मियों के दौरान वाहन बेहतर प्रदर्शन कर सके। कार केयर सेवाओं के अंतर्गत एसी और समर केयर ट्रीटमेंट पर 20% तक का लाभ दिया जाएगा, जिससे भीषण गर्मी में बेहतर कूलिंग सुनिश्चित हो सके।

हिल्टन ने 125 हैम्पटन बाय हिल्टन होटलों के लिए रॉयल ऑर्किड होटल्स के साथ भारत में अपने विस्तार को दी गति

मुंबई। हिल्टन ने आज रॉयल ऑर्किड होटल्स लिमिटेड के स्वामित्व वाले ग्रुप रीजेंटा होटल्स प्रा. लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं , जिसके तहत भारत में १२५ हैम्पटन बाय हिल्टन होटल खोले जाएंगे। भारत में डोमेस्टिक यात्रा में हो रही बढ़ोतरी और देश के मध्यम वर्ग से बढ़ती मांग के बीच यह साझेदारी भारत में हिल्टन के अपर मिडस्केल सेगमेंट के विस्तार को गति प्रदान करेगी। ये फ्रैंचाइज होटल मुख्य रूप से पश्चिमी एवं दक्षिणी बाजारों जैसे गोवा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना में खोले जाएंगे, जो दुनिया भर में मौजूदा ३१०० से अधिक हैम्पटन बाय हिल्टन प्रॉपर्टीज के नेटवर्क में शामिल हो जाएंगे। इस अवसर पर एलन वॉट्स, प्रेजीडेन्ट, एशिया पेसिफिक, हिल्टन ने कहा, ह्यह्यभारत का आर्थिक विकास, बढ़ता मध्यम वर्ग और तेजी से हो रहा इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास देश में यात्रा के परिवेश को नया आयाम दे रहा है, जिससे हमारे ब्राण्ड्स के लिए नए अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। रीजेंटा होटल्स ग्रुप के साथ यह साझेदारी स्थानीय ऑपरेटर्स के साथ काम करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जो हिल्टन के ब्राण्ड्स की क्षमता एवं निरंतरता को बनाए रखते हुए हमारे फ्रैंचाइज फुटप्रिन्ट के विस्तार में मदद करेगी। यह एग्रीमेन्ट भारत में हिल्टन की विस्तार योजनाओं को नई गति प्रदान करेगा। यह भारत में हिल्टन के लिए इस प्रकार की तीसरी साझेदारी है।

भारत के पश्चिमी एवं दक्षिणी राज्य देश के जीडीपी में उल्लेखनीय योगदान देते हैं। देश के कुछ सबसे डायनामिक बिजनेस एवं पर्यटन कॉरिडोर इसी क्षेत्र में मौजूद हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार और कनेक्टिविटी बढ़ने के साथ डोमेस्टिक यात्रा की मांग बढ़ रही है, जिसके चलते देश के महानगरों के बाहर भी भरोसेमंद, ब्रांडेड अकॉमोडेशन की मांग भी बढ़ रही है। जिसके चलते ब्रांडेड मिडस्केल एवं अपर मिडस्केल ब्रांड्स जैसे हैम्पटन बाय हिल्टन के लिए नए अवसर बन रहे हैं, जो उभरते शहरों एवं मुख्य कमर्शियल हब्स में बढ़ते डोमेस्टिक यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

इस अवसर पर क्रिस्चियन चारनॉक्स, एक्जक्टिव वाईस प्रेजीडेन्ट एवं चीफ डेवलपमेन्ट ऑफिसर, हिल्टन ने कहा, हम दुनिया भर में अपने नेटवर्क को मजबूत बनाने के प्रयास जारी रखे हुए हैं, इस बीच भारत हिल्टन के लॉन्ग-टर्म विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

वसई विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित के हस्तक्षेप से घायल बच्चे को मिली राहत

मुख्यमंत्री राहत कोष से 2 लाख की सहायता स्वीकृत

वसई-विरार। वसई-विरार क्षेत्र में 4 वर्षीय मासूम चौ. विग्नेश अतुल कोंढारे पर हुए अमानवीय हमले की घटना ने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल उत्पन्न हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही वसई की विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित, जो उस समय दिल्ली में एक प्रशासनिक कार्यशाला में उपस्थित थीं, ने तुरंत पुलिस प्रशासन से संपर्क कर मामले की विस्तृत जानकारी ली और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

विधायक स्नेहा ताई ने मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लेते हुए इसे अत्यंत गंभीर और मानवता को शर्मसार करने वाली घटना बताया तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इसके अगले ही दिन, विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित मीरा रोड स्थित वॉकहार्ट हॉस्पिटल पहुंचीं और घायल बच्चे एवं उसके परिजनों से मुलाकात की। बच्चे का इलाज डॉ. अंकित गुप्ता की देखरेख में चल रहा था। परिजनों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए इलाज के लिए तत्काल आर्थिक सहायता की आवश्यकता महसूस की गई। विधायक के अनुरोध पर मुख्यमंत्री द्वारा इस मामले को विशेष केस के रूप में स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री राहत कोष से 2,00,000 की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। यह राशि तुरंत वॉकहार्ट हॉस्पिटल में ट्रांसफर कर दी गई। इसके अतिरिक्त, विधायक स्नेहा ताई के प्रयासों से विभिन्न ट्रस्टों के माध्यम से इलाज के खर्च में लगभग 20% की छूट भी दिलाई गई। उपचार पूर्ण होने के बाद बच्चे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। कोंढारे परिवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित का आभार व्यक्त किया। विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने कहा कि यह घटना समाज को उसकी संवेदनशीलता का एहसास कराती है और ऐसे अपराधों के विरुद्ध सख्त कदम उठाना समय की आवश्यकता है। अगर आप चाहें तो मैं इसे छोटा, सोशल मीडिया पोस्ट, या न्यूज चैनल स्क्रिप्ट के रूप में भी बदल सकता हूँ।

जौनपुरः अवैध रूप से संचालित लक्ष्मी नर्सिंग होम सीज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से महज लगभग 200 मीटर की दूरी पर बिना पंजीकरण के धड़ल्ले से संचालित हो रहे लक्ष्मी नर्सिंग होम पर आखिरकार प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए उसे सीज कर दिया। यह कार्रवाई मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. प्रभात कुमार के निर्देश पर की गयी। बताया जाता है कि उक्त नर्सिंग होम के खिलाफ स्थानीय निवासी सोनू गुप्ता द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल एवं जिलाधिकारी को लिखित शिकायत दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अस्पताल में बिना मान्यता के प्रसव सहित अन्य चिकित्सीय कार्य अवैध रूप से कराए जा रहे हैं जिससे मरीजों की जान को खतरा बना हुआ था। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी ने जांच के आदेश दिए। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ. प्रभात यादव के नेतृत्व में टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच में अस्पताल बिना रजिस्ट्रेशन संचालित पाया गया। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से नर्सिंग होम को सीज कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बिना मान्यता के संचालित किसी भी अस्पताल या नर्सिंग होम के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

थारू विकास परियोजना, विशुनपुर विश्राम को मिली नई गति

वसई। जनपद में थारू जनजाति क्षेत्र में प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को धरातल पर प्रभावी रूप से क्रियान्वित करते हुए थारू विकास परियोजना, विशुनपुर विश्राम को सशक्त बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन के कुशल निर्देशन एवं सतत अनुश्रवण में परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास हेतु शासन द्वारा 1.28 करोड़ की धनराशि स्वीकृत एवं प्राप्त हुई है। इस धनराशि के माध्यम से परियोजना क्षेत्र में आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ करने, जनसेवाओं का विस्तार करने तथा स्थानीय निवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यों को तेजी से संपादित कराया जा रहा है। थारू विकास परियोजना परिसर में व्यापक स्तर पर रंग-रोगन, मरम्मत, सौंदर्यीकरण एवं संरचनात्मक सुधार के कार्य युद्धस्तर पर संचालित किए जा रहे हैं। भवनों की बाहरी एवं आंतरिक साज-सज्जा को बेहतर बनाया जा रहा है, जिससे परिसर अधिक आकर्षक एवं व्यवस्थित रूप में विकसित हो सके। इन प्रयासों से परियोजना न केवल प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र बनेगी, बल्कि क्षेत्रीय विकास के

दैनिक मुंबई हलचल द्वारा ईद मिलन कार्यक्रम का शानदार आयोजन

मुंबई। शहर के प्रतिष्ठित अखबार दैनिक मुंबई हलचल की ओर से एक भव्य और यादगार ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों, सामाजिक कार्यकताओं और विभिन्न धर्मों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह प्रेम, भाईचारे और सौहार्द से सराबोर नजर आया। हिंदू-मुस्लिम एकता की अनूठी मिसाल पेश करते हुए सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी रिश्तों को और मजबूत किया। इस खास अवसर पर कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं, जिनमें इन्फ्लुएंसर ईशान मसीह, अभिनेत्री रिया विश्वकर्मा, अभिनेत्री एवं मॉडल आसमा अली, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय एल दुबे, जारा खान, वरुणा दिवेकर, उर्वशी सोलंकी, एडवोकेट शहबाज खान, नरेश चाचे, नासिर अंसारी, अधिवक्ता सैफ अहद खान, समीर अहद खान, अजमेर दरगाह के ट्रस्टी जावेद पारिख, रोहन भाई, शाहिद भाई, तौफीक शेख, महबूब खान, अमन फर्नीचरवाला, अजहर उस्मानी, सोहैल अंसारी, इकराम शाह, सलामत अली और अभिनेता समीर खान सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम के आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में प्रेम, एकता और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने सभी से अपील की कि सभी धर्मों के लोग मिल-जुलकर अपने त्योहार मनाएं, जिससे समाज में सद्भाव और मजबूत हो। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा कि आज के समय में ऐसे आयोजनों की बेहद आवश्यकता है, क्योंकि ये लोगों के बीच की दूरियों को मिटाने और आपसी समझ को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमें अपने गिले-शिकवे भुलाकर ईद, दिवाली और होली जैसे सभी त्योहार मिलकर मनाने चाहिए। कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए विशेष दावत का आयोजन किया गया, जहां लोगों ने स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया और एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा कीं। स भव्य आयोजन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि मुंबई जैसे महानगर की असली पहचान उसकी विविधता में एकता और आपसी भाईचारा है। इसी आयोजन की खास बात यह रही कि दैनिक मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान स्वयं पूरे कार्यक्रम में सक्रिय रूप से शामिल रहे और सभी मेहमानों का दिल से स्वागत किया। दिलशाद एस. खान केवल एक संपादक ही नहीं, बल्कि समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व हैं।

म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का अजीब मैनेजमेंट: बिना पार्क के मेंटेनेंस का कॉन्ट्रैक्ट: महेश सरवणकर

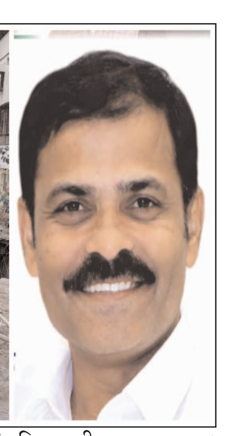

वसई। वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा शहर के विभिन्न पार्कों के रखरखाव का कार्य महिला बचत समूहों को सौंपा गया है। हालांकि, इस प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। प्रभाग समिति एच के ओम नगर में गायत्री मंदिर के सामने स्थित एक मैदान को पार्क के रूप में दर्शाकर उसका मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट दे दिया गया, जबकि वह स्थान वास्तव में पार्क के रूप में विकसित ही नहीं किया गया है। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल अध्यक्ष एवं नगरसेवक महेश सरवणकर ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए संबंधित कॉन्ट्रैक्ट की विस्तृत जांच और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सोमवार को आयोजित स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में इस विषय पर चर्चा के दौरान, 9 प्रभाग समितियों में कार्यरत महिला बचत समूहों को दो महीने का एक्सटेंशन देने तथा प्रशासनिक व वित्तीय मंजूरी प्रदान करने के प्रस्ताव पर सरवणकर ने कड़ी आपत्ति जताई। बैठक के अजेंडा में यह भी सामने आया कि वार्ड समिति एच में गायत्री मंदिर के सामने स्थित खुले मैदान को पार्क दर्शाकर उसका रखरखाव सौंपा गया है। इसके अलावा, नरसुळे नाले के ऊपर स्थित पार्क, जिसका स्लैब जुलाई 2025 में गिरने के बाद से वह बंद है, उसके मेंटेनेंस के लिए भी महिला बचत समूह को अवधि विस्तार देने का प्रस्ताव रखा गया। भाजपा के सदस्यों ने इन दोनों मामलों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया।

कॉर्पोरेटर नीलेश चौधरी ने नालासोपारा स्थित महेश पार्क की खराब स्थिति पर भी सवाल उठाए। महेश सरवणकर ने मांग की कि जो महिला स्वयं सहायता समूह पार्कों के रखरखाव में लापरवाही बरत रहे हैं, उन्हें किसी प्रकार का एक्सटेंशन न दिया जाए। साथ ही, पार्क विभाग के उन कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए जो सफाई और रखरखाव में लापरवाही बरत रहे हैं। बैठक के अंत में स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन प्रवीण शेट्टी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सभी पार्कों का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिया है।

मुंबई में ग्लोबल आई क्लिनिक की लक्जरी आई केयर सुविधा

मुंबई। प्रीमियम हेल्थकेयर के विकसित होते परिदृश्य में, ग्लोबल आई क्लिनिक मुंबई में लक्जरी आई केयर के लिए सबसे अहम स्थान बन गया है, जहां वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटरनेशनल बेंचमार्क प्रोटोकॉल्स और सर्जिरिकल प्रिसिशन एक साथ मिलते हैं।

ग्लोबल आई क्लिनिक लेजर आई सर्जरी सेंटर के मेडिकल डायरेक्टर और चीफ सर्जन डॉ. हार्दिक पारिख कहते हैं, आई केयर में सच्ची लक्जरी पूरे प्रिसिशन और सुरक्षा पर कोई समझौता न करने में निहित है। हमारा इंफ्रास्ट्रक्चर ग्लोबल एक्सीलेंस को दशार्ता है, लेकिन हमारी असली खासियत हर सर्जिकल प्लानिंग को पर्सनोलाइज्ड रूप देने का हमारा तरीका है। प्रत्येक पेशेंट को एक व्यक्ति के रूप में देखा जाता है और देखभाल के तरीके एक्यूरेसी, कम्फर्ट और पूर्ण मानसिक शांति के लिए तैयार किए जाते हैं। जेसीआई से मान्यता प्राप्त आई केयर फैसिलिटी के रूप में, ग्लोबल आई क्लिनिक पेशेंट सेफ्टी, क्लिनिकल गवर्नेंस और सर्जिकल एक्सीलेंस के हाइस्ट ग्लोबल स्टैंडड्र्स का पालन करता है। एक ऐसे शहर में जहां हर चीज में उत्कृष्टता की उम्मीद की जाती है, यह क्लिनिक एक उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करता है - एक ऐसा अनुभव जो सेफ्टी और प्रिसिशन को सर्वोपरि रखता है। इस सेंटर में कटिंग एज डायग्नोस्टिक और लेजर उपकरण मौजूद हैं जो इंट्रीनेशनल बेंचमार्क को पूरा करते हैं। हालांकि, इनका मुख्य उद्देश्य पर्सनलाइज्ड सर्जिकल प्लानिंग के प्रति प्रतिबद्धता है। हर ट्रीटमेंट में पेशेंट की यूनिक विसुअल एनाटॉमी, लाइफस्टाइल एकी जरूरतों और लांग टर्म ऑक्यूलर हेल्थ को ध्यान में रखते हुए सावधानीपूर्वक तैयार किया जाता है, जिससे न केवल सर्वोत्तम परिणाम सुनिश्चित होते हैं बल्कि एक गहन व्यक्तिगत देखभाल भी प्रदान की जाती है। हाई क्वालिटी की चाह रखने वाले समझदार ग्राहकों के बीच, ग्लोबल आई क्लिनिक मुंबई में आई केयर को लगातार नया रूप दे रहा है, एक ऐसा स्टैण्डर्ड स्थापित कर रहा है जहां क्लिनिकल प्रिसिशन पर्सनलाइज्ड लक्जरी से मिलती है और जहां विजन देखभाल को पर्फ़ेक्शन के स्तर तक पहुंचाया जाता है।